हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 26 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :26 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

आवश्यक की सूचना

अवकाश की सूचना
गणतंत्र दिवस के सुअवसर पर दिनांक26 जनवरी 2025 को रोजनामा इंडो गल्फ दैनिक के कार्यालय में अवकाश रहेगा।
अत: अखबार का अगला अंक 28 जनवरी 2025 को उपलब्ध होगा।

शुभकामनाएं

रोजनामा इंडो गल्फ के पाठकों,विज्ञापरदातों,हॉकर बंधुओ को गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।
प्रबंधक

डब्ल्यूईएफ का मकसद सिर्फ समझौते करना नहीं, संपर्क बढ़ाना भी है: चंद्रबाबू नायडू

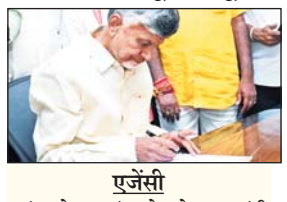

एजेंसी

आंध्र प्रदेश :आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की यात्रा का उद्देश्य सिर्फ समझौतों पर हस्ताक्षर करना नहीं है, बल्कि प्रभावशाली लोगों के साथ संपर्क बढ़ाना भी है।दावोस की अपनी हालिया यात्रा पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सहित कुछ वर्गों की आलोचना।

कई MoU पर हस्ताक्षर कर हैदराबाद हाउस में लिखी गई भारत-इंडोनेशिया की दोस्ती की नई इबारत, पीएम बोले- हमारा सहयोग और मजबूत होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया भारत के पहले गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि देश था और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि जब हम गणतंत्र के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बना है।

एजेंसी

हैदराबाद: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की मौजूदगी में दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत और इंडोनेशिया के बीच टङ्कव२ का आदान-प्रदान हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडोनेशिया भारत के पहले गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि देश था और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि जब हम गणतंत्र के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो इंडोनेशिया एक बार फिर इस ऐतिहासिक अवसर का हिस्सा बना है। मैं राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं।पीएम मोदी ने कहा कि 2018 में इंडोनेशिया की मेरी यात्रा के दौरान हमने अपनी साझेदारी को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रूप में आगे बढ़ाया। आज राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ आपसी सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक चर्चा हुई। रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण और आपूर्ति में साथ काम किया जाएगा। हमने समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, आतंकवाद निरोध और डी-रेडिकलाइजेशन में सहयोग पर भी दल दिया है। समुद्री सुरक्षा और संरक्षा में हुए समझौते से अपराध की रोकथाम, खोज और बचाव तथा क्षमता निर्माण में हमारा सहयोग और मजबूत होगा। पिछले कुछ वर्षों में हमारा द्विपक्षीय व्यापार तेजी आई है और पिछले वर्ष यह 30 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया।इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने कहा कि मैं भारत की अपनी पहली राजकीय यात्रा में मुझे दिए गए सम्मान के लिए अपनी सर्वोच्च कृतज्ञता दोहराना चाहता हूं। आज राष्ट्रपति ने मेरा बहुत सम्मान के साथ स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार तथा मेरे और मेरी सरकार के बीच बहुत गहन और बेहद स्पष्ट चर्चा हुई। हमने साझा हित के कई प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की। हम आर्थिक क्षेत्र में सहयोग के स्तर को बढ़ाना चाहते हैं। मैंने अपनी टीम को विनियमन को तेज करने, नौकरशाही को कम करने और भारत-इंडोनेशिया के साझा द्विपक्षीय हितों को सबसे आगे रखने के निर्देश दिए हैं इंडोनेशियाई राष्ट्रपति तीन दिवसीय यात्रा पर बृहस्पतिवार रात यहां पहुंचे। प्रबोवो सुबियांतो का गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारत आए हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत-इंडोनेशिया संबंधों में मजबूती आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में इंडोनेशिया की यात्रा की थी, जिस दौरान भारत-इंडोनेशिया संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के मौके पर मताधिकार उपयोग करने के लिए लोगों को सशक्त बनाने को लेकर उसके अनुकरणीय प्रयासों की सराहना की। निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।उन्होंने एक्सपर लिखा, राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमारे जीवंत लोकतंत्र का जश्न मनाने और प्रत्येक नागरिक को अपने वोट के अधिकार का उपयोग करने के लिए सशक्त बनाता है। यह देश के भविष्य को आकार देने में भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालता है। हम इस संबंध में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग की सराहना करते हैं।मोदी ने अपनी पोस्ट के साथ अपने हालिया मन की बात कार्यक्रम की एक क्लिप संलग्न की, जिसमें उन्होंने हाल में आलोचनाओं का सामना करने वाले आयोग की प्रशंसा की थी।

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने देश को किया संबोधित, बोलीं- आज विश्व का नेतृत्व कर रहा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि साहसिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आने वाले वर्षों में इस प्रवृत्ति को बनाए रखेंगे। संविधान भारतीय के रूप में हमारी सामूहिक पहचान को अंतिम आधार प्रदान करता है, यह हमें परिवार के रूप में एक साथ जोड़ता है।76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। संबोधन की शुरूआत में राष्ट्रपति ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज हमें सबसे पहले उन वीर आत्माओं को याद करना चाहिए जिन्होंने मातृभूमि को विदेशी शासन की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए महान बलिदान दिया। कुछ प्रसिद्ध थे, जबकि कुछ हाल तक अल्पज्ञात रहे। उन्होंने कहा कि हम इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती मना रहे हैं, जो स्वतंत्रता सेनानियों के प्रतिनिधि के रूप में खड़े हैं, जिनकी राष्ट्रीय इतिहास में भूमिका को अब सही अनुपात में पहचाना जा रहा है। राष्ट्रपति ने कहा कि बीसवीं सदी के शुरूआती दशकों में, उनके संघर्ष एक संगठित राष्ट्रव्यापी स्वतंत्रता आंदोलन में समेकित हो गए। यह देश का सौभाग्य था कि उसे महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर और बाबासाहेब अम्बेडकर जैसे लोग मिले, जिन्होंने इसके लोकतांत्रिक लोकाचार को फिर से खोजने में मदद की। न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व कोई सैद्धांतिक अवधारणाएं नहीं हैं जिन्हें हमने आधुनिक समय में सीखा है; वे हमेशा हमारी सभ्यतागत विरासत का हिस्सा रहे हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व हमेशा से हमारी सभ्यतागत विरासत का हिस्सा रहे हैं।

उत्तराखंड बनेगा 'समान नागरिक संहिता' लागू करने वाला पहला राज्य, 27 जनवरी को सीएम धामी करेंगे पोर्टल लॉन्च

एजेंसी

उत्तराखंड: उत्तराखंड में 27 जनवरी (सोमवार) को समान नागरिक संहिता (वउउ) लागू होने जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इसी दिन वउउ पोर्टल लॉन्च करेंगे। ऐसा होने पर उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहला राज्य बन जाएगा।वउउ पोर्टल 27 जनवरी होगा लॉन्च7 जनवरी को दोपहर 12:30 बजे सचिवालय में वउउ पोर्टल का उद्घाटन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देहरादून दौरे से एक दिन पहले यह बड़ा कदम उठाया जाएगा। भाजपा ने 2022 विधानसभा चुनाव में समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था, जिसने पार्टी को लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी करने में मदद की।समान नागरिक संहिता पर वर्कशॉप

हाल ही में उत्तराखंड पुलिस मुख्यालय में वउउ पर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने अपने सामाजिक अधिकारों से जुड़े सवाल पूछे, जिन्हें कानूनी विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया।

बिहार के दिग्गजों को मिला सम्मान, जानें किसे मिलेगा कौन सा पद्म पुरस्कार

एजेंसी

पटना: गणतंत्र दिवस 2025 से पहले केंद्र सरकार ने शनिवार (25 जनवरी) को पद्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इस वर्ष 139 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी गई है, जिसमें 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं। बिहार से इस बार कुल 7 लोगों को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए नामित किया गया है। आइए जानते हैं इन महान हस्तियों के बारे में, जिनके योगदान ने बिहार का नाम गर्व से ऊंचा किया।

1. शारदा सिन्हा (मरणोपरांत) झ्र कला के क्षेत्र में पद्म विभूषणलोक संगीत की महान गायिका शारदा सिन्हा को उनकी मरणोपरांत उपलब्धियों

के लिए पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है। उन्होंने मैथिली, भोजपुरी और मगही लोक संगीत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई। उनकी आवाज में 'तार बिजली' और 'कहे तो से सजना' जैसे गाने आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं।

2. सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत) झ्र सार्वजनिक मामलों में पद्म भूषण

पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा के दिग्गज नेता सुशील कुमार मोदी को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बिहार में विकास की कई योजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल के दौरान शिक्षा, बुनियादी ढांचे और वित्तीय सुधारों में उल्लेखनीय प्रगति हुई।भीम सिंह भावेश को उनके सामाजिक कार्यों के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं

नीति आयोग की रिपोर्ट में ओडिशा का शीर्ष स्थान पर पहुंचना खुशी की बात : नवीन पटनायक

एजेंसी

भुवनेश्वर । नीति आयोग की 2022-2023 के लिए पहली राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) रिपोर्ट में सूचीबद्ध राज्यों में, शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रदेश के रूप में ओडिशा के उभरने पर पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि राज्य को वित्तीय दिवालियापन से प्रथम स्थान पाते देखना खुशी की बात है। मुख्यमंत्री मोहन माझी ने भी राज्य की उपलब्धि की सराहना करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देश के 18 प्रमुख राज्यों में राजकोषीय स्वास्थ्य की रैंकिंग में ओडिशा शीर्ष पर है। राज्य 67.8 के स्कोर के साथ शीर्ष पर है, उसके बाद छत्तीसगढ़ और गोवा का स्थान है।उन्होंने कहा, नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, उपलब्धि प्राप्त करने वाले राज्यों ने मजबूत राजकोषीय स्वास्थ्य, राजस्व जुटाने, व्यय प्रबंधन और ऋण स्थिरता में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।हालांकि, पटनायक ने इस रिपोर्ट को लेकर खुशी जाहिर की है क्योंकि राज्य की यह उपलब्धि ओडिशा के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान की है।पटनायक ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि नीति आयोग राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, 2022-23 में 67.8 प्रतिशत के उच्चतम समग्र राजकोषीय स्वास्थ्य स्कोर के साथ ओडिशा पूरे देश में राजकोषीय प्रबंधन में शीर्ष राज्य के रूप में उभरा है।

कजेरीवाल के समर्थन में उतरे अखिलेश, योगी को दी चुनौती, कहा- मथुरा में यमुना से पानी पीने की करें हिम्मत

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा यमुना नदी प्रदूषण को लेकर आप नेता पर हमला करने के बाद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव अरविंद केजरीवाल के बचाव में कूद पड़े हैं। योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए, अखिलेश यादव ने सवाल किया कि क्या उत्तर प्रदेश के सीएम मथुरा में यमुना नदी से पानी का एक घूंट पीने की हिम्मत करेंगे। सपा प्रमुख ने एक हिंदी पोस्ट में कहा, "दूसरों को चुनौती देने से पहले, लोगों को अपने राज्य में मथुरा से बहने वाली यमुना से पानी पीने की हिम्मत करनी चाहिए।एक्स पर एक पोस्ट में अखिलेश यादव ने सीएम योगी का नाम लिए बिना कहा, "जो लोग दूसरों को चुनौती देते हैं उन्हें अपने राज्य में मथुरा से बहने वाली यमुना के पानी से आचमन करना चाहिए।" यादव की यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई है जब आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली में भाजपा के लिए प्रचार करते हुए कहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने यमुना को "गंदा नाला" बनाकर पाप किया है। आदित्यनाथ, जिनके मंत्रियों ने बुधवार को महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में संगम में डुबकी लगाई, ने सवाल किया कि क्या केजरीवाल और उनके मंत्री उनके मंत्रिमंडल की तरह यमुना में स्नान कर सकते हैं।दिल्ली के किरारी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, आदित्यनाथ ने आगे आरोप लगाया कि दिल्ली से उत्तर प्रदेश में आने वाले

अन्ना जी को भी शर्म आ रही होगी कि मेरा चेला इतना बड़ा भ्रष्टाचारी कैसे निकल गया, केजरीवाल पर अमित शाह का तंज

एजेंसी

नइ दिल्ली: दिल्ली में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार तेज होता जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी आज प्रचार की शुरूआत कर दी है। पहले तो उन्होंने पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया। इसके बाद अमित शाह राजौरी गार्डन में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने पहुंचे है। शाह ने कहा कि मेरा घरेलू सहायक मेरे पास आया और उसने बताया कि उसे एक फोन आया है जिसमें कहा गया है कि भाजपा के सत्ता में आते ही दिल्ली में चल रही सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। जब मैंने कहा कि यह अरविंद केजरीवाल का फोन था, तो उन्हें यकीन हो गया कि यह सब झूठ है। एक के बाद एक झूठ फैला रहे हैं। शाह ने दावा किया कि मोदी जी ने साफ कहा है कि दिल्ली में कोई भी कल्याणकारी योजना बंद नहीं की जायेगी। हम उन सभी वादों को पूरा करेंगे जिन्हें वे पूरा करने में विफल रहे। उन्होंने कहा कि 10 साल तक केजरीवाल जी (अअढ) ने दिल्ली में कुशासन, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण चलाया है। अअढ-दा ने पूरी दिल्ली को अव्यवस्थित करके रख दिया है। अअढ-दा सरकार ने दिल्ली की जनता से केवल और केवल वादा-खिलाफी की और धोखा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अअढ-दा ने केवल धोखा देने का काम किया है। भाजपा नेता ने कहा कि कनेक्टिविटी के नाम पर टूटी सड़कें देने का काम, मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर मेडिकल टेस्ट में घपला करने का काम, बरसात में दिल्ली की सड़कों को झील बनाने का काम किया है।

देश की 139 विभूतियों को पद्म पुरस्कार: छत्तीसगढ़ की पंडीराम मंडावी, राजस्थान की बतूल बेगम सहित MP से 3 नाम

एजेंसी

दिल्ली : केंद्र सरकार ने शनिवार (25 जनवरी) को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों की घोषणा की। छत्तीसगढ़ की पंडीराम मंडावी और राजस्थान की बतूल बेगम सहित 139 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। पद्म पुरस्कार के लिए मध्य प्रदेश की 3 विभूतियों शैली होल्कर, जगदीश जोशीला और भेरू सिंह चौहान को चुना गया है।

वर्ष 2025 में 139 पद्म पुरस्कारों को मंजूरी दी है। इस सूची में 7 पद्म विभूषण, 19 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री अवार्ड शामिल हैं। इनमें 23 महिलाएं हैं। इनमें विदेशी/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई श्रेणी से 10 व्यक्ति और 13 मरणोपरांत पुरस्कार विजेता भी शामिल हैं। यह पुरस्कार मार्च/अप्रैल में राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक

समारोहों में दिए जाएंगे।

केंद्र ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शनिवार को पद्म पुरस्कार 2025 प्राप्तकताओं की सूची की घोषणा की। ब्राजील के एक हिंदू आध्यात्मिक नेता जोनास मसेटी और भारत की विरासत के बारे में लिखने के लिए प्रसिद्ध युगल ह्यूग और कोलीन गैंटजर, पद्म श्री से सम्मानित लोगों में से हैं। भक्ति गायक भेरू सिंह चौहान, पत्रकार भीम सिंह भावेश, उपन्यासकार जगदीश जोशीला, सर्वाइकल कैंसर की डॉक्टर नीरजा भाटला और कुवैत की योग चिकित्सक शेखा ए जे अल सबा भी पद्म श्री पुरस्कार पाने वालों में से हैं।

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री में प्रदान किए जाते हैं। गृह मंत्रालय ने बताया कि पद्मश्री से सम्मानित किये जाने वालों की सूची में गोवा के 100 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी लीबिया लोबो सरदेसाई और पश्चिम बंगाल के ढाक वादक गोकुल चंद्र दास का नाम भी शामिल हैं। कुवैत की योग साधिका शेखा ए जे अल सबा और उत्तराखंड के ट्रैवल ब्लॉगर दंपति ह्यूग और कोलीन गैंटजर को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। नगालैंड के फल किसान एल हैंगथिंग, पुडुचेरी के वादक पी दत्चनमूर्ति को भी पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। मध्यप्रदेश की सामाजिक उद्यमी सैली होलकर, मराठी लेखक मारुति भुजंगराव चितमपल्ली को पद्मश्री देने की घोषणा हुई है।

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा !
हम बुलबुलें हैं इस की ये गुलसिताँ हमारा !
भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित
गणतंत्र दिवस
की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामना
मदरसा हमीदिया दारूल बनात हुसैना मेहसौल सीतामढ़ी बिहार
उप सचिव आल बिहार मदरसा टीचर्स एसोसिएशन सीतामढ़ी
मौलाना जियाउर्रहमान कासमी
प्रधान मौलवी
9939058430

समस्त देशवासियों को
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाये
तमाम पाठक एवं जिला वासियों को 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं !
निवेदक : -
एम नईमुद्दीन आजाद
ब्यूरो प्रमुख समस्तीपुर
रोजनामा इंडो गल्फ

WWW.PNG LOOK.COM
26 जनवरी
करे सलाम इस तिरंगे को, जो हमारी है शान सदा
सर रखना ऊँचा इसका, जब तक है शरीर मे जाना।
गणतंत्र दिवस
के शुभ अवसर पर समस्त भारतवासियों को
हार्दिक शुभकामनाए
पंकज कुमार
सब इंस्पेक्टर
बाजपट्टी थाना जिला सीतामढ़ी

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
परितोष कुमार
लोजपा आर बखरी नगर परिषद अध्यक्ष बेगूसराय

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
एम. एन. रहमानी
प्रधानाध्यापक: उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहमीद बखरी बेगूसराय

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
पंकज पासवान
लोजपा आर प्रखंड अध्यक्ष बखरी बेगूसराय

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रिषु राजपूत
प्रदेश अध्यक्ष बिहार, भारतीय पत्रकार कल्याण संघ जिला अध्यक्ष बेगूसराय

26 जनवरी
बखरी विधानसभा की जनता को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
चंद्रकिशोर पासवान
समाजसेवी सह भावी उम्मीदवार बखरी विद्यानसभा

26 जनवरी
सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं
रुदल ठेकेदार
सामाजिक कार्यकर्त्ता बखरी बेगूसराय

یوم جمہوریہ
کی دلی مبارکباد
گणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
مولانا مرتضیٰ ازہر الثاقبی
استاذ مدرسہ رشیدیہ مسجد و مسافرخانہ مظفر پور
9504278135

समस्त जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस
VANDE MATRAM Republic Day
की हार्दिक शुभकामनाएँ
अंजू कुमारी
पैक्स अध्यक्ष
बागवन बेगुसराय
प्रमोद वर्मा
पैक्स अध्यक्ष प्रतिनिधि
बखरी बेगुसराय

یوم جمہوریہ کی دلی مبارکباد
مولانا محمد صدر عالم نعمانی
صدر علماء بورڈ ہند
گणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
मौलाना मो0 सदरे आलम नोमानी
अध्यक्ष उलमा बोर्ड हिन्द
9006782686

हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,रविवार | 26 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :26 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता
एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित

गणतंत्र दिवस

की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामना

समस्त जिला वासियों
प्रखंड वासियों को 76 वें
गणतंत्र दिवस के अवसर
पर हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं !

जदयू जिला उपाध्यक्ष
सह खानपुर प्रखंड प्रभारी
(समस्तीपुर)

निवेदक : -
अब्दुस समद खां

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इस की ये गुलसिताँ हमारा।

भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता
एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित

गणतंत्र दिवस

की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामना

बलिदानों का सपना जब सच
हुआ, देश तभी आजाद हुआ, आज
सलाम करे उन वीरों को, जिनकी
शहादत से ये भारत गणतंत्र हुआ।

डा० सरवर जमाल
चीफ एडिटर

रोजनामा इंडो गल्फ
(राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
समाचार पत्र)

9472871824 Newsindogulf8

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।।

आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

समस्त देशवासियों एवं
जिला वासियों को 76 वें
गणतंत्र दिवस के अवसर
पर हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं !

निवेदक : -
अनिकेत कुमार अंशु

नगर परिषद ताजपुर के
डिप्टी चेयरमैन प्रतिनिधि
(समस्तीपुर)

WWW.TECHINCAL.PTS.COM

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं

आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को

समस्त देश वासियों, जिला
वासियों एवं प्रखंड वासियों
को 76 वें गणतंत्र दिवस के
अवसर पर ढ़ेर सारी बधाई
एवं शुभकामनाएं !

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

निवेदक :-
आलोक कुमार सिंह
जिला उपाध्यक्ष युवा जदयू
समस्तीपुर सह चेयरमैन
ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल डरसुर
वारिसनगर (समस्तीपुर)

WWW.TECHINCAL.PTS.COM

राष्ट्रीय मतदाता दिवस हुआ आयोजन ,डीएम ने दिलाई मतदान की शपथ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- समाहरणालय अवस्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी श्री राजीव रौशन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी के कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री चित्रगुप्त कुमार,,अपर समाहर्त्ता-सह-अपर जिला दंडाधिकारी नीरज कुमार दास,अपर समाहर्त्ता जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकारी अनिल कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुरेश कुमार एवं राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलन में सहयोग प्रदान किया।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी और मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत वर्ष 2011 से राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ।वर्तमान वर्ष का थीम वोट जैसा कुछ नहीं,वोट जरुर डालेंगे हम हैं।

मतदाता सूची के सतत अद्यतीकरण एवं पुनरीक्षण अवधि में विगत एक वर्ष में 1,16871 नये मतदाताओं का पंजीकरण किया गया एवं 59,445 मतदाताओं का विलोपन किया गया। फलस्वरूप विगत एक वर्ष में जिले में मतदाताओं की संख्या 2913215 से बढ़कर 2970641 हो गयी।

इस प्रकार जिले में 57426 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई।

पुरुष मतदाताओं की संख्या 1532617 से बढ़कर 1544628 (शुद्ध वृद्धि 12,011) हो गयी,इस वर्ष महिला मतदाताओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

महिला मतदाताओं की संख्या 1380845 से बढ़कर 1425965 (शुद्ध वृद्धि 45,120) हो गयी।

इस अवधि में अन्य श्रेणी के मतदाताओं की संख्या 53 से घटकर 48 रह गई।

दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 19,875 से बढ़कर 26,805 रह गई।

विगत एक वर्ष की अवधि में मतदाता सूची के स्वास्थ्य संकेतकों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ,मतदाता सूची का लिंगानुपात 901 से बढ़कर 923 हो

गया।

मतदाता सूची निर्वाचक / जनसंख्या अनुपात एढ फंड्ढ 0.59 से बढ़कर 0.60 हो गया।

इस अवधि में 18-19 आयु वर्ग में 25149 नये मतदाता जोड़े गये।

साथ ही कुल 59445 विलोपनों में 23866 मृत मतदाता, 8756 एबसेंट मतदाता, 7241 दोहराया गया मतदाता, 174 भारतीय नागरिक नहीं और 19408 स्थाई रूप से स्थानांतरित मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से विलोपित किया गया।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त के द्वारा संबोधित करते हुए लोकतंत्र की मजबूती के लिए सब की भागीदारी आवश्यक बताया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत को इस बात पर गर्व है कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में हम लोग अपने गणराज्य का एक स्वर्णिम अध्याय लगातार जोड़ते जा रहे हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे मजबूत लोकतंत्र है और हमें इस पर भी गर्व है की सबसे प्राचीन लोकतंत्र हमारे बिहार में ही था। मजबूत लोकतंत्र के लिए सबकी भागीदारी आवश्यक है और खासकर राजनीतिक दलों की सहभागिता अपेक्षित है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के द्वारा दिए गए संदेश के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि हमें भारतीय लोकतंत्र के मजबूत नींव को और मजबूत करने की जरूरत है,सभी मतदाताओं को जागरूक करने की जरूरत है ।उन्होंने कहा कि भारत के भाग्य का निर्धारण कर्ता यहाँ के मतदाता है। उन्होंने कहा कि धर्म,जाति एवं प्रलोभन के बिना तथा भयमुक्त होकर मतदान करने की जिम्मेवारी सभी मतदाताओं का है। इस अवसर पर संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान बेहतर काम करने वाले निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उमेश कुमार भारती अनुमंडल पदाधिकारी बिरौल,मो. यूनुस अंसारी भूमि सुधार अप समाहर्ता, आनंद उत्सव भूमि सुधार उपसमाहर्ता बेनीपुर, विकास कुमार मंडल पदाधिकारी सदर, नीरज कुमार दास अपर समाहर्ता दरभंगा,कुमार प्रशांत अपर समाहर्ता विभागीय जांच,संजीत कुमार भूमि सुधार उपसमाहर्ता सदर,चित्रगुप्त कुमार विकास आयुक्त दरभंगा को मोमेंटो देखकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान बेहतर काम करने वाले सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी प्रवीण कुमार, दीपक कुमार, दुनिया लाल यादव, रवि रौशन चौधरी, अश्वनी कुमार, रुखसार, दिलीप कुमार गुप्ता, भास्कर कुमार मंडल, रविकांत,अशोक कुमार जिज्ञासु को सम्मानित किया।

इस अवसर पर संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान बेहतर काम करने वाले बीएलओ कृष्ण देव भाई पटेल,शशि ललन यादव, विमलेंदु कुमार मिश्रा, कृष्णानंद मिश्रा, संतोष सदाय, पूनम कुमारी, श्याम बाबू राय,सुबोध राय, सुबोध कुमार लाल देव ,संतलाल प्रसाद, गंगा प्रसाद यादव, दीपक कुमार, प्रकाश चंद्र झा, जय नारायण साहू,सुरेश कुमार मंडल,रामावतार यादव, शंकर कुमार साह, दयानंद प्रसाद देव,नजीर अहमद, दिलीप कुमार मंडल आदि को सम्मानित किया गया। वही मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय राजनीतिक दल के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि गोपाल मंडल, देवेंद्र कुमार झा, धनंजय कुमार सिंह, सुनील कुमार मंडल एवं राजद महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष आदि को भी सम्मानित किया गया।

मशरक जंक्शन पर शान से लहराया 100 फीट ऊंचा तिरंगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

गणतंत्र दिवस के अवसर पर छपरा थावे रेलखंड पर मशरक जंक्शन रेलवे स्टेशन के परिसर के मुख्य गेट पर 100 फीट की ऊंचाई पर तिरंगा झंडा शान से फहराया गया है। इससे जंक्शन परिवार के स्टेशन एरिया की खूबसूरती और बढ़ गई है। रेलवे स्टेशन पर लगभग 30 गुणा 20 फिट का तिरंगा लगा है। झंडा फहराने के लिए मजबूत फाउंडेशन तैयार किया हैं जिसमें सौ फीट लम्बा रेलवे का खंभा लगाया गया हैं ।रेलवे प्रशासन ने अमृत भारत योजना के तहत लाखो रुपये की लागत से मशरक जंक्शन रेलवे स्टेशन के बाहर मुख्य द्वार पर तिरंगा झंडा लगाया है।तिरंगा झंडा रात में अंधेरा होने पर भी दिखेगा। इसके लिए प्रकाश की व्यवस्था की गई पर रौशनी उसके उपर नहीं पड़ने से रात होते ही अंधेरा हो जाने पर तिरंगा झंडा दिखाई नहीं दे पा रहा है वहीं तिरंगा झंडा लगते ही स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्री अपने मोबाइल में

फोटो खींचते व सेल्फी लेते दिखे। आपको बता दें कि महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के अथक प्रयास से मशरक जंक्शन को अमृत भारत स्टेशन योजना में जोड़ा गया है जिसमें करोड़ों रुपए की लागत से स्टेशन परिसर का भव्य तरीके से उन्नयन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- समाहरणालय अवस्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिलाधिकारी श्री राजीव रौशन की अध्यक्षता में राष्ट्रीय बालिका दिवस एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के दस वर्ष पूर्ण होने पर महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया क इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर जिलाधिकारी के कर कमलों एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण के द्वारा किया गया क इस अवसर पर श्री राकेश रंजन ओएसडी गोपनीय प्रभारी , सत्येंद्र प्रसाद उप निदेशक जनसंपर्क दरभंगा,जिला प्रोग्राम पदाधिकारी आईसीडीएस चांदनी सिंह,,ने सहयोग प्रदान किया। सभी उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लोगो युक्त सिरेमिक मग देकर स्वागत किया गया क श्रीमती चाँदनी सिंह,जिला प्रोग्राम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी महिला एवं बाल विकास निगम द्वारा बेटी बचाओ

बेटी पढ़ाओ योजना के संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दी एवं योजना के उपलब्धि के बारे में बताया।

साथ ही उनके द्वारा केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा महिलाओं एवं बच्चियों के हित में चलायी जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं यथा प्रधानमन्त्री मातृ वंदना योजना ,मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना,मिशन शक्ति,मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के बारे में विस्तृत रूप अवगत कराया गया।उन्होंने आगे कन्या भ्रूण हत्या को रोकने से संबंधित जानकारी देते हुए प्रसवपूर्व लिंग परिक्षण के रोकथाम हेतु चलायी जा रही एक्ट के बारे में बताया तथा कहीं भी पीसीपीएनडीटी एक्ट का उल्लंघन किये जाने पर जिला प्रशासन को सूचित करने का अनुरोध किया गया। उन्होंने योजना को सफल बनाने हेतु सभी विभागों को समन्वय स्थापित करने का निवेदन किया।श्रीमती ऋचा गार्गी,जिला परियोजना प्रबंधक,जीविका महिलाओं के स्वावलंबन हेतु बिहार सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी दी गयी क जिला पदाधिकारी द्वारा सभी उपस्थित बालिकाओं के साथ कॉफी पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उपस्थित बालिकाओं को जिला पदाधिकारी,दरभंगा द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर दरभंगा जिला के सभी बालिकाओं को शुभकामनाएं दी गयी । जिलाधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा की बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जो भारत सरकार का संकल्प है उसका 10 वर्ष पूरा हुआ है। भारत ने अपनी परंपराओं में अपनी इतिहास में हमेशा नारी को,बच्चियों को बहुत सम्मान दिया है और कहा जाता है कि ईश्वर भी वही निवास करते हैं जहां पर महिलाओं को सम्मान मिलता है। दिवस का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना और उनके अधिकारों और कल्याण को बढ़ावा देना है ।जिला पदाधिकारी द्वारा बेटी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि बेटा से ज्यादा बेटी माँ बाप के लिए सोच रही होती है मानसिक रूप से एवं शारीरिक रूप से बच्चियों को अगर हम सम्बल बनाते हैं, हमारा संविधान किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करता है।

थाना परिसर में लगा जनता दरबार पहुंचे फरियादी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक थाना परिसर में भूमी संबधी विवादों के निपटारे को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में सीओ सुमंत कुमार और थानाध्यक्ष अजय कुमार ने पहुंचे फरियादियों की फरियाद को सुना गया। सीओ सुमंत कुमार ने बताया कि पहले से 45 मामले लंबित थें जिन पर सुनवाई करते हुए 5 का निष्पादन कर दिया गया वहीं एक मामला दर्ज कराया गया जिस सुनवाई के रजिस्टर्ड कर लिया गया। अगले जनता दरबार में सुनवाई कर बचें मामलों का निष्पादन किया जाएगा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मशरक के सरकारी विभागों में शपथ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मशरक के सरकारी विभागों और अनुमंडल पुलिस कार्यालय,पुलिस इंस्पेक्टर कार्यालय और थाना परिसर समेत बीआरसी परिसर में शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। अनुमंडल पुलिस कार्यालय में डीएसपी अमरनाथ, इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह , थाना परिसर में थानाध्यक्ष अजय कुमार और बीआरसी परिसर में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी डॉ वीणा कुमारी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों समेत कर्मचारियों ने भारत के लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए शपथ लिया। इस दौरान सभी ने अपने देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मयार्दा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति,समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ ली।

मनाया गया मतदाता दिवस,वोट डालने के लिए किया गया प्रेरित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के खानपुर में मतदाता दिवस के अवसर पर सोमवार को प्रखंड के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से शपथ भी दिलायी गई। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि यह दिवस भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए अहम दिन है।इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है। इसलिए हर एक व्यक्ति का वोट राष्ट्र के निर्माण में भागीदार बनता है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य मतदान के महत्व को बढ़ावा देना और लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। यह दिवस हमारे जीवंत लोकतंत्र का उत्सव मनाने और प्रत्येक नागरिक को वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाने के बारे में है।इस अवसर पर बीएलओ लाल बाबू ने मतदाताओं को शपथ दिलाते हुए लोगों से मतदान में भाग लेने और अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि मतदान हमारे देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।मौके पर बीएलओ लाल बाबू, दिलीप कुमार राम, कैलास सहनी, बैजनाथ राम, शिक्षक पंकज कुमार चौधरी, विकास कुमार, विनोद कुमार सहित दर्जनों मतदाता उपस्थित थे।

माध्यमिक शिक्षक संघ नेता की श्रद्धांजलि सभा में जुटे तीन जिला के शिक्षक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सारण जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के पूर्व सचिव राजा जी राजेश की श्रद्धांजली सभा मशरक के अवध उच्च विद्यालय चैनपुर के सभागार में शनिवार को हुई।जिसमे सारण के अलावे सीमावर्ती सीवान एवम गोपालगंज जिला के माध्यमिक एवम प्राथमिक शिक्षक, शिक्षिका शामिल हुए। श्रद्धांजली सभा की अध्यक्षता माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रमंडलीय नेता राष्ट्रपति पुरस्कृत रामजीवन सिंह जीवन कवि जी ने किया।सभी शिक्षक नेताओं ने राजा जी राजेश का निधन शिक्षक समुदाय ही नही वरन सारण के लिए अपूरणीय क्षति बताया। शिक्षक समस्या के प्रति सदैव सजग एवम प्रयासरत रहने वाले राजा जी के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कई व्योवृद्ध शिक्षक रो पड़े । सभी ने उनके कर्मपथ पर चलते हुए संघीय कार्यों को पूरा करने की प्रतिज्ञा ली। एक एक कर सभी ने पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर पुण्यात्मा की शांति की लिए प्रार्थना किया। श्रद्धांजली सभा में कई विद्यालय के प्रधानाध्यापक , शिक्षक , शिक्षिका शामिल हुए।

भारत रत्न और समाजवाद के पुरोधा कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती मनाई गई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

तेघड़ा प्रखंड अंतर्गत धनकौल पंचायत स्थित जदयू प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार के आवासीय परिसर में 14 जनवरी शुक्रवार को भारत रत्न व समाजवाद के पुरोधा बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की 101 वीं जयंती प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार की अध्यक्षता में मनाई गई। जयंती समारोह में उपस्थित कार्यकताओं ने उनके जन्मदिन पर केक काटकर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला ।जदयू प्रखंड अध्यक्ष चंदन कुमार ने कहा कि वे समाजवाद के पुरोधा, सादगी की मिशाल थे, वे सच में जनता के नायक थे। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की कार्यशैली उनसे हद तक मिलती है और उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक है। इस अवसर पर युवा जिला उपाध्यक्ष सन्नी महतो ने कहा कि उनका जीवन सत्य और सादगी का एक प्रतिमूर्ति है। उन्होंने अपने

जीवन काल में हमेशा गरीब ,शोषित, वंचित के हक और उनके अधिकार के लिए आवाज बनकर लड़ते रहे । पार्टी के नेता अधिवक्ता राजकुमार झा ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अपने जीवन के अंत तक में भी विरासत के रूप में अपने परिवार को। देने के लिए एक मकान भी नहीं बचा था कर्पूरी जी देश के सच्चे लाल थे। किसान प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद महतो ने कहा की उनका सपना था कि कमजोर वर्ग को मुख्य धारा में लाया जाए। वहीं प्रखंड महासचिव अविनाश कुमार ने कहा कि वे समाज के हर वर्ग के लिए काम करने में विश्वास रखते थे ।वही संचालन करते हुए प्रखंड उपाध्यक्ष शंभू पंडित ने कहा कि गरीबों का कोई शोषण न करें इसके लिए वे अग्रसर रहते थे 36 साल बाद भारत रत्न की उपाधि देकर उन्हें आज भी जीवित कर दिया है। मौके पर शिवचंद्र महतो के बड़े पुत्र नीतीश कुमार, निक्सन कुमार कुशवाहा, दिवाकर झा, गणेश झा ,राम ललन सिंह, राम बहादुर तांती , दिनेश पोद्दार ,मोनू पटेल ,अमन कुमार सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

दुर्गा मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठात्मक हेतु भव्य महायज्ञ का होगा आयोजन,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) सीवान जिले के शेखर सिनेमा के नजदीक बने श्री दुर्गा मंदिर का जीर्णोद्धार एवं मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठात्मक के लिए महायज्ञ का आयोजन किया गया है . इस संदर्भ में मंदिर कमिटी के संरक्षक सह सचिव प्रभू नाथ प्रसाद ने बताया कि इस दुर्गा मंदिर में महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती, अर्धनारीश्वर, हनुमान जी सहित भैरो बाबा के मूर्ति की स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठात्मक हेतु महायज्ञ का आयोजन किया गया है. इस महायज्ञ का कार्यक्रम 1 फरवरी यानि शनिवार से 3 फरवरी तक चलेगा.1 फरवरी को सुबह 8 बजे जल भरी यात्रा (कलश यात्रा) लगभग 2501 श्रद्धालुओं जिसमें महिला, पुरुष और बच्चें अपने सिर पर कलश लेकर मंदिर के प्रांगण से दुर्गा माता की जयकारा लगाते हुए निकलेंगे. कलश यात्रा में गाजे बाजे,दर्जनों हाथी घोड़े, रथ सहित हजारों की संख्या में स्थानीय लोग

सम्मिलित रहेंगे. यह कलश यात्रा दुर्गा मंदिर से चल कर शांति वृक्ष, मौलेश्वरी चौक, कागजी मुहल्ला के नजदीक शिव मंदिर के पास दाहा नदी में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ जलभरी कर रजिस्ट्री कचहरी, जेपी चौक, बड़ी मस्जिद होते हुए पुनः दुर्गा मंदिर वापस लौटेंगे. वहाँ पंचाग पूजन एवं मण्डप प्रवेश होने के साथ प्रसाद का वितरण किया जायेगा. 2 फरवरी रविवार को 12 बजे दिन से वेदी पूजन आवाह्न, अग्नि स्थापना, अधिवास का कार्यक्रम होगा. वहीं 3 फरवरी सोमवार को 10 बजे दिन से मंदिर पूजन, मूर्ति स्थापना एवं पूर्णाहुति विसर्जन किया जायेगा. इस महायज्ञ में मुख्य भूमिका निभाते हुए मंदिर के मनोनीत सदस्य मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिदिन श्रद्धालुओं के लिए भंडारा और महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा. वहीं प्रवचन, भजन, सत्संग प्रतिदिन संध्या 7 बजे से 10 बजे तक चलेगा. कथा वाचिक के रूप में वृंदावन के मालती मंजरी होंगी. अरुण कुमार उर्फ बिट्टू ने बताया कि महायज्ञ में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भोजन, रात्रि विश्राम व पूजा पाठ के लिए विशेष तौर पर व्यवस्था की गई है. वहीं बिक्रमादित्य चौधरी व भरत चौधरी ने बताया कि महायज्ञ में रात्रि के समय जिले के स्थानीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन पुरी तरह से मुस्तैद रहेगी ताकि दूर दराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परिशानी नहीं हो सके. दुर्गा मंदिर के सक्रिय प्रबंधन कमिटी के संरक्षक सह सचिव प्रभू नाथ प्रसाद, अध्यक्ष श्यामजी नतालिया, संरक्षक डा. राजा प्रसाद, मनोनीत सदस्य मुकेश कुमार सिंह व अरुण कुमार उर्फ बिट्टू सहित अन्य द्वारा इस प्राण प्रतिष्ठात्मक महायज्ञ का नेतृत्व किया जायेगा.

मतदाता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने में बीडीओ और बीएलओ जिलें में सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बनियापुर विधानसभा क्षेत्र के मशरक प्रखंड के बीडीओ पंकज कुमार समेत 6 बीएलओ को निर्वाचन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिले में सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले में बीडीओ पंकज कुमार और बीएलओ अरूण कुमार पाठक, ज्ञानचंद प्रसाद यादव, रत्नेश कुमार वर्मा, सुनील प्रसाद, नौशाद अली खान,रहमत अली मंसूरी शामिल हैं।सभी को सारण आयुक्त गोपाल मीणा और निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अमन समीर ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बताया गया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं आम निर्वाचन कार्य में बेहतर भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया गया है।

भाजयुमो द्वारा संविधान गौरव अभियान के अंतर्गत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

संविधान भारत की शान और प्रत्येक भारतीय का अभिमान है: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ कांग्रेस ने संविधान की मयार्दा को हमेशा तार तार किया : उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा

दिनांकः 25 जनवरी 2025भारतीय जनता युवा मोर्चा बिहार प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा के अध्यक्षता में संविधान गौरव अभियान अंतर्गत पटना के गांधी घाट में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 10+2 वर्ग से ऊपर के हजारों छात्र व छात्राएं सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा शामिल हुए।उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने युवाओं को संबोधित कर बाबा साहेब डॉ० भीमराव अम्बेडकर के जीवन मूल्यों और संविधान की महत्ता के बारे में बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार ने भारतीय संविधान की प्रतिष्ठा को नए आयाम देकर उसे और अधिक दृढ़ता एवं गौरव प्रदान किया है। युवा वर्ग जानती है कि कांग्रेस ने बाबा साहब को भारत रत्न से सम्मानित करना तो दूर, सेंट्रल हॉल में उनकी तस्वीर लगाने से भी इनकार कर दिया था। राहुल गांधी न संविधान पढ़ते है और न ही उसके मूल्य को समझते है। हमारे लिए संविधान लोकतंत्र की मजबूत नींव और देश की आत्मा है वहीं विपक्ष के लिए बाबा साहब डॉक्टर अम्बेडकर द्वारा रचित संविधान केवल राजनीतिक नौटंकी करने का साधन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग सरकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्श जीवन एवं समाज कल्याण के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि देश का युवा जागरूक है और वे परिवार के प्रति, समाज के प्रति और राष्ट्र के प्रति समर्पित है। कांग्रेस ने लंबे समय तक सत्ता में रहकर संविधान विरोधी आचरण किया और संविधान के आड़ में अपने पाप एवं कुकृत्य को छिपाने का काम किया है। संविधान का शपथ लेकर कांग्रेस और राजद पार्टी ने भ्रष्टाचार व अपराध को पोषित करने का कार्य किया है। भारतीय संविधान की अद्वितीय विरासत पर गर्व करता है, जो न्याय, समानता और बंधुत्व का प्रतीक है। हमें गर्व है कि केंद्र की एनडीए सरकार के नेतृत्व में संविधान का योगदान, विरासत और आदर्शों का सम्मान किया जा रहा है। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उन्हें भारत रत्न एवं पंच तीर्थ के रुप में सुशोभित कर सम्मान देने का कार्य किया है।

बिहार भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं के बीच संविधान के प्रति जागरूकता और कांग्रेस के झुठ को उजागर करने का प्रयास किया है। हजारों छात्र-छात्राएं प्रतियोगिता में शमिल हुए। प्रतियोगिता में उत्तीर्ण छात्रों को बिहार भाजपा प्रदेश कार्यालय में सम्मानित किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार के रूप में 15 हजार, द्वितीय पुरस्कार 10 हजार, तृतीय पुरस्कार 5 हजार है, 100 सांत्वना पुरस्कार और मेडल और शिल्ड के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा। हमारा संविधान हमारे देश का सर्वोत्तम मार्गदर्शक है, जो न केवल हमारे अधिकारों और कर्तव्यों का बोध करवाता है, बल्कि यह हमारे स्वाभिमान का प्रतीक भी है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, बिहार भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष भारतेंदु मिश्रा, पूर्व विधायक प्रेम रंजन पटेल, बिहार भाजपा कार्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा, शिक्षक गुरु रहमान, कुमार राघवेंद्र, महामंत्री सीमांत शेखर, उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह, कुलभूषण सहित सैकड़ों पदाधिकारी उपस्थित रहें।

इंटरमीडिएट कला संकाय का वितरण हुआ एडमिट कार्ड

एडमिट कार्ड वितरण करते हुए जाफर इमाम

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) हुसैनगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित एम एस उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट कला संकाय की वार्षिक परीक्षा के लिए छात्र व छात्राओं के बीच एडमिट कार्ड का वितरण कार्यालय सहायक जाफर इमाम द्वारा किया जा रहा है. जाफर इमाम ने बताया कि एडमिट कार्ड प्राप्त कर सभी छात्र व छात्राओं के चेहरे पर मुश्कान दिखाई दे रहा था. इस अवसर पर सभी शिक्षकों ने बच्चों को परीक्षा में सफल होने के लिए शुभकामनाएँ दी. मौके पर शमीम हैदर, धन्नजय कुमार, मनोज सिंह, तकी रजा, विनय कुमार सहित अन्य सहयोगी के रूप में उपस्थित थे.

बरौनी जक्शन में देशी एवं अंग्रेजी शराब हुआ बरामद

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

बरौनी/बेगूसराय बरौनी जक्शन में जीआरपी बरौनी अंचल की ए एल टी एफ 3' की टीम द्वारा जक्शन के प्लेट फार्म एवं ट्रेनों में । विशेष जांच अभियान चलाया गया इस दौरान बरौनी जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 2 पर लवारिस हालत में रखा हुआ देसी एवं अंग्रेजी शराब बरामद किया गया । इस संदर्भ में जीआरपी बरौनी अंचल निरीक्षक मनीष कुमार सिंह ने बताया 2 लीटर 400' देशी शराब एवं 26 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुआ ।बरामद हुए शराब को अग्रिम कार्यवाही हेतु जीआरपी थाना को सुपुर्द किया गया ।

लोजपा रा महिला सेल की बैठक आयोजित की गई।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज लोजपा रा प्रदेश कार्यालय एक व्हीलर रोड पटना में लोजपा (रामविलास) महिला सेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमला कुमारी के उपस्थित में लोजपा (रा) महिला बिहार प्रदेश अध्यक्ष शोभा सिंन्हा पासवान के अध्यक्षता में महिला सेल का प्रदेश पदाधिकारीयों तथा जिला अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई तथा महिला सेल कमेटी का समीक्षा की गई एवं संगठन को और सशक्त बनाने के लिए पदाधिकारीयों को आवश्यक सुझाव दी। आगे बैठक को संबोधित करते हुए पार्टी के महिला सेल अध्यक्ष शोभा सिन्हा पासवान ने कहा की पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान के नीति और सिद्धांतों से प्रेरित होकर लोग पार्टी मे शामिल हो रहे हैं ,ये हमारे नेता का बढ़ती लोकप्रियता का परिचय हैं।

ओईनी का है स्वर्णिम इतिहास : रविता तिवारी

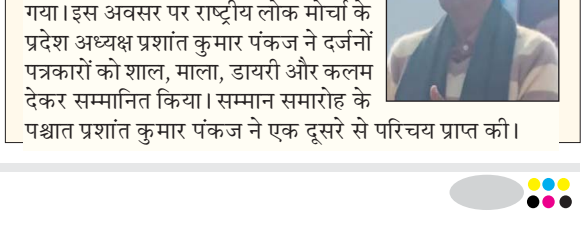

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। ओईनी का स्वर्णिम एतिहासिक अतीत किसी से छिपा नहीं है, जरूरत है इसे पुनः जीवन्तता प्रदान करने की। मुझे विश्वास है कि ओईनी न्यूज नेटवर्क के माध्यम से ओईनी की एतिहासिकता को जीवन्त करने का आधार मिलेगा। पूसा प्रखण्ड के दिघरा स्थित ज्ञान किरण पब्लिक स्कूल परिसर में ओईनी न्यूज नेटवर्क का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए पूसा प्रखण्ड प्रमुख रविता तिवारी ने उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि ओईनी नाम का समय के साथ विलुप्त हो जाना सबसे बड़ा कारण है कि एतिहासिकता का पर्याप्त प्रमाण होने के बावजूद ओईनी को उतना महत्व व आकर्षण नहीं मिला जिसका वह हकदार है। ओईनवार वंश के राजकवि महाकवि विद्यापति की कर्मस्थली के रूप में ओईनी का अस्तीत्व ही इतिहासङ्ग

रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत कुमार पंकज ने किया पत्रकारों को सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के रामपुर जलालपुर स्थित आर एल महतो इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के परिसर में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत कुमार पंकज ने दर्जनों पत्रकारों को शाल, माला, डायरी और कलम देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह के पश्चात प्रशांत कुमार पंकज ने एक दूसरे से परिचय प्राप्त की।

मतदाता दिवस पर मतदाताओं को दिलाई गई शपथ

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर प्रखंड क्षेत्र के राजकीय उत्क्रमित मध्य विघालय चारो, बाल विकास परियोजना कार्यालय के प्रांगण में बूथ संख्या 45, 122 एवं 123 सहित अन्य पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 18 वर्ष से ऊपर आयु वाले मतदाओं द्वारा शपथ ली गई। शपथ में निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें। की शपथ दिलायी गई। जिसका नेतृत्व बीएलओ अनिल कुमार, सुनील कुमार, व अशोक कुमार ने किया। मौके पर योगेन्द्र साफी, मुकेश कुमार, संजीव कुमार, इंदु कुमारी, सरिता कुमारी, जय जय कुमार, धीरज कुमार, शंभूति कुमार संजय कुमार के अलावा अन्य मतदाता गण मौजूद थे।

चंद्रकिशोर पासवान ने किया बड़ा ऐलान, कहा- बखरी विधानसभा सीट से जीतने पर पूरी सैलरी विकास फंड में देंगे

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

डंडारी (बेगुसराय) ' में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चंद्रकिशोर पासवान ने बखरी विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर बड़ा ऐलान किया है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि यदि वह बखरी विधानसभा सीट से चुनाव जीतते हैं, तो अपनी पूरी विधायक सैलरी को क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित करेंगे। उनके इस ऐलान ने क्षेत्रीय राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है।बखरी को बनाएंगे मॉडल विधानसभाचंद्रकिशोर पासवान ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बखरी विधानसभा क्षेत्र की स्थिति को सुधारना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, "यह क्षेत्र लंबे समय से विकास की राह देख रहा है। मेरी सैलरी का एक-एक पैसा बखरी के विकास फंड में खर्च होगा। मेरा उद्देश्य राजनीति से लाभ उठाना नहीं, बल्कि जनता की सेवा करना है।"घोषित विकास योजनाएं पासवान ने बताया कि उनकी योजना क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार के क्षेत्र में व्यापक सुधार करने की है। उन्होंने कहा कि उनके वेतन का उपयोग इन प्रमुख क्षेत्रों में किया जाएगाः

शिक्षा क्षेत्र में सुधारः गांव-गांव में आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा।स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तारःक्षेत्र में नए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना। मुफ्त चिकित्सा शिविरों का आयोजन।रोजगार के अवसरःयुवाओं को स्वरोजगार और कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण केंद्र।महिलाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम। बुनियादी ढांचा विकासःसड़कों, पुलों और पेयजल की बेहतर व्यवस्था।बिजली आपूर्ति और इंटरनेट कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना।जनता का भरोसा जीतने की कोशिश चंद्रकिशोर पासवान ने यह भी कहा कि उनका इरादा जनता के विश्वास को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा बखरी की जनता के लिए काम किया है। यदि मुझे इस बार मौका मिलता है, तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि क्षेत्र विकास का आदर्श बनजाए।"ग्रामीणों की प्रतिक्रिया पासवान के इस ऐलान के बाद ग्रामीणों में उत्साह और उम्मीद की लहर दौड़ गई है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यदि उनकी घोषणा को अमल में लाया गया, तो बखरी विधानसभा का चेहरा बदल जाएगा।

राजनीतिक विश्लेषण

चंद्रकिशोर पासवान का यह कदम क्षेत्र की जनता को प्रभावित करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी यह घोषणा जनता के बीच चर्चा का विषय बन गई है और इसका असर आगामी चुनावों में देखने को मिल सकता है।चंद्रकिशोर पासवान ने संवाददाता सम्मेलन का समापन यह कहते हुए किया, "बखरी की जनता मेरी प्राथमिकता है। मैं अपने क्षेत्र को विकास के पथ पर ले जाने के लिए दिन-रात मेहनत करूंगा। चुनाव जीतने के बाद मेरे हर कदम का हिसाब जनता के सामने होगा।"

राकेश ठाकुर हुए 52 साल के, लोगों ने दी बधाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर को लोगों ने उन्हें 52 वें जन्मदिन की बधाई दी। उसके बाद धर्मपुर स्थित एक बैंकट हॉल में विधानसभा क्षेत्र का कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यकताओं ने केक काटकर जिला प्रवक्ता का जन्मदिन मनाया। फूल माला पहनाते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इधर महागठबंधन के कार्यकताओं ने उनकी दीघार्यु की कामना की। स्थानीय विधायक सह बिहार विधान सभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने जिला प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर को उनके जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राकेश भाई एक मेहनती नेता हैं, जिन्होंने अपना जीवन सामाजिक न्याय तथा कौमी एकता को मजबूत करने में समर्पित कर दिया है। उन्होंने एक असाधारण समाजसेवी के रूप में जिला में अपनी पहचान बनाई है। मैं उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। इस अवसर पर समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। मौके पर मरीजों के बीच फल भी वितरित किया गया। इधर समाजसेवी हरेंद्र कुमार ने राकेश ठाकुर को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा किया और बधाई दी।

न्यू इकरा पब्लिक स्कूल को मिला सीबीएसई बोर्ड दिल्ली से मान्यता,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

संवाददाता हुसैनगंज (सीवान) हुसैनगंज प्रखंड के हरिहांस में चल रहे ????न्यू इकरा पब्लिक स्कूल को इस वर्ष 10 वीं कक्षा तक सीबीएसई बोर्ड दिल्ली द्वारा सत्र 2025-26 से मान्यता प्रदान की गई है. स्कूल की मान्यता मिलने पर मैनेजिंग कमिटी के निदेशक ई० ऐनुल हक, प्राचार्य शहजादुल हक तथा इकरा पब्लिक स्कूल सुरापुर के प्राचार्य ई० सगीर आलम सहित स्कूल मैनेजिंग कमेटी के अन्य सदस्यों में खुशी की लहर देखी जा रही है. बताया जा रहा है कि इकरा स्कूल की मान्यता प्राप्त होने से हरिहांस सहित प्रखंड के आस पास के गांवों के पढ़ने वाले बच्चों को भी बहुत लाभ मिलेगा. इसके साथ ही शैक्षणिक स२025-26 से विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण सुधार आएगी. इकरा पब्लिक स्कूल के एडमिन नईम अलम ने बताया कि स्कूल को सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त होने के उपरांत ग्रामीण क्षेत्रों के सभी समुदाय के बच्चें लाभान्वित होंगे वहीं उन्हें पठन पाठन में विशेष सुविधा भी मिलेगी. मान्यता प्राप्त होने से उस स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चों के अभिभावकों ने भी अपने बच्चों की उज्जवल भविष्य को देखते हुए इकरा पब्लिक स्कूल के मैनेजिंग कमिटी को धन्यवाद दिया है.

कोर्ट ने सुनाया अभियुक्त राजेश महतो को पांच साल की सजा, एक लाख अर्थ दंड

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। विशेष न्यायाधीश उत्पाद संजय कुमार '' ने शनिवार को सुनवाई करते हुए उत्पाद वाद संख्या 298/2018 के अभियुक्त राजेश महतो पिता बालेश्वर महतो साकिन पुरुषोत्तमपुर थाना कल्याणपुर जिला समस्तीपुर निवासी को धारा 30 (ए) बिहार मध निषेध अधिनियम 2016 के अंतर्गत दोषी पाते हुए अभियुक्त को पांच साल की सश्रम कारावास एवं एक लाख रुपया जुमार्ना की सजा सुनाई गई। कोर्ट ने बताया कि जुमार्ना की राशि नहीं देने पर छः माह का अतिरिक्त साधारण सजा भुगतनी पड़ेगी। बताया जाता है कि दिनांक 5 अक्टूबर 2018 को 3 : 50 बजे अपराहण ग्राम पुरुषोत्तमपुर, थाना कल्याणपुर, जिला समस्तीपुर स्थित अभियुक्त के कब्जे वाले झोपड़ीनुमा बिक्री केंद्र से एक प्लास्टिक के जर्किन से 30 लीटर अवैध चुलाई शराब छापामारी टीम द्वारा बरामद किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से उत्पाद विभाग के अधिवक्ता पंकज कुमार ने बहस किया वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रविन्द्र कुमार रजक ने बहस किया परंतु उन्हें सफलता नहीं मिली और अभियुक्त को जेल जाना पड़ा।

भाई की निर्मम हत्या में एक भाई गिरफ्तार, दूसरे की तलाश, स्मार्ट वॉच ने पुलिस को हत्या के सुराग तक पहुंचाया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पिछले दिनों सारण जिले के मशरक थाना क्षेत्र के एकावना गांव के युवक की मोतिहारी के केसरिया में 70 घाट पुल के नीचे गंडक नदी में हत्या कर शव फेका पाया गया था। काफी जांच-पड़ताल में इस मामले में पुलिस के हाथ सुराग नहीं लग रहे थे?। पुलिस को अपराधियों तक पहुचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. लेकिन, मृतक के स्मार्ट घड़ी के माध्यम से पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई और खुलासा हुआ कि मृतक राहुल कुमार के भाईयों ने ही उसकी हत्या की थी। हत्या की वजह भी हैरान करने वाला है क्योंकि भाई ही अपने भाई की मौत का कारण बनेगा यह कोई सोच भी नहीं सकता।जानकारी के अनुसार, राहुल कुमार नशा का इतना आदि हो गया था कि घर में ही झगड़ा करता था। बताया जा रहा है कि इसी बात पर मारपीट के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद उसका शव गंडक नदी में फेक दिया गया। चकिया के एसडीपीओ सतेंद्र सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दिनों युवक की हत्या कर शव फेंकने का मामला सामने आया था। लेकिन, अपराधियों तक पहुंचने में पुलिस को काफी मुश्किलें आईं। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल पाई। जिसके बाद शव की फोटो को सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया गया, फिर भी कोई क्लू नहीं मिला। मोतिहारी पुलिस असमंजस में थी, लेकिन मृतक की जेब से बंद मिले स्मार्ट वॉच ने पुलिस इन्वेस्टिगेशन का रास्ता आसान कर दिया। पुलिस ने इसकी जांच कराई और क्यूआर कोड को जांच के लिए दिल्ली भेजा गया। स्मार्ट घड़ी के माध्यम से अभियुक्तों तक पुलिस पहुंची और गिरफ्तारी हुई। दरअसल, दिल्ली से जानकारी मिली कि ये स्मार्टवॉच सारण के मशरक थाना क्षेत्र के एकावना गांव निवासी दूधनाथ सिंह के बेटे राहुल सिंह उम्र 28 ने खरीदी थी।जिसके बाद मोतिहारी पुलिस ने राहुल के परिजनों से पूछताछ की। इसी दौरान पुलिस को बड़े भाई पर शक हो गया। एसडीपीओ ने बताया कि राहुल के बड़े भाई पंकज पर संदेह होने पर उसे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। जब उससे सख्ती से पूछताछ की गई तो आरोपी पंकज ने अपने छोटे भाई राहुल की मौत की पूरी कहानी बताई। मामले में खुलासा हुआ कि दो भाइयों ने मिलकर राहुल की जान ली थी। आरोपी पंकज ने बताया कि, बीती 24 दिसंबर 2024 की रात राहुल ने नशा किया था और घर लौटने पर घरवालों से झगड़ा करने लगा। वह ऐसा हर दिन ऐसा ही करता था और इस कारण घरवाले परेशान थे। उस दिन झगड़ा हुआ तो राहुल ने पंकज का गला पकड़ लिया। छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन छोटे भाई सोनू ने राहुल को धक्का दे दिया। वह गेट से टकराकर नीचे गिर गया और सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राहुल की मौत के बाद पंकज और सोनू दोनों डर गए। हत्या को छिपाने के लिए दोनों ने शव को बाइक पर रखकर 50 किलोमीटर दूर सत्तरघाट पुल के नीचे फेंक दिया।

उत्सव एवं उत्साह के वातावरण में पूरे मधुबनी जिला में मनाया गया 15 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

उत्सव एवं उत्साह के वातावरण में पूरे मधुबनी जिला में मनाया गया 1 5 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की उपस्थिति में जिला स्तरीय मतदाता दिवस समारोह हुआ आयोजित।----------.. समाहरणालय सभा कक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिलाधिकारी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा द्वारा उपस्थित सभी को दिलाई गई शपथ। -सबकी भागीदारी से ही लोकतंत्र होगा मजबूत-जिलाधिकारी * *15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2025 की पूर्व संध्या पर भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त के संदेश को को भी किया गया प्रसारित...। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बीएलओ पुरस्कृत। मधुबनी----25जनवरी 2025-। हम भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओ की मयार्दा को बनाये रखेगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवम शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते ह ु ए , ि न ा भ ा ि क होकर, धर्म, वर्ग, जाती, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।"उक्त शपथ डीएम सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में आयोजित 15 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह के उद्घाटन के उपरांत उपस्थित सभी नव मतदाता एवं अन्य उपस्थित अधिकारियों तथा कर्मियों को दिलाई।उन्होंने कहा की सबकी भागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत बन सकता है। उन्होंने कहा कि हमे अपने एक-एक वोट के महत्व को समझना होगा। उन्होंने कहा कि विवेकपूर्ण मतदान से लोकतंत्र मजबूत होगा।लोकतंत्र में समझदारीपूर्ण भागीदारी से ही लोकतंत्र मजबूत होगा। इसके पूर्व उपनिर्वाचन पदाधिकारी द्वारा पुष्प गुच्छ देकर सभी आगत अतिथियों का स्वागत किया गया, साथ ही कार्यक्रम के उद्देश्य पर संक्षिप्त प्रकाश भी डाला गया साथ ही वोट के महत्व के संबंध में भी विस्तार से प्रकाश डाला। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने 15 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस, 2025 के अवसर कई बी0एल0ओ0 को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर सम्मानित भी किया।कार्यक्रम में 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी 2025 की पूर्व संध्या पर भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त का संदेश को भी प्रसारित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निम्न बीएलओ को पुरस्कृत भी किया गया।

1. नवल किशोर यादव - 31- हरलाखी विधानसभ। 2. श्री संतोष साफी -32- बेनीपट्टी विधानसभ।
3. रंजीत कुमार राय - 33 - खजौली विधानसभा
4. अब्दूल शमद -34-बाबूबरही विधानसभा
5.मो0 कलीम अख्तर-35-बिस्फी विधानसभा
6. अनुपम कुमार -36-मधुबनी विधानसभा
7. मगन कुमार झा -37-राजनगर विधानसभा
8. गंगा प्रसाद मंडल-38-झंझारपुर विधानसभा
9. उमेश कुमार देव -39-फुलपरास विधानसभा
10. श्री शिव अवतार दास-40-लौकहा विधानसभा।..

उक्त कार्यक्रम में डीडीसी दीपेश कुमार, एडीएम शैलेश कुमार, एडीएम आपदा संतोष कुमार, नगर आयुक्त अनिल चौधरी, एडीएम विभागीय जांच नीरज कुमार, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी राजेश कुमार, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय रश्मि, डीपीआरओ परिमल कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रशांत कुमार सहित सभी पदाधिकारी, कर्मी एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।।*

जयनगर में लूट की घटना का 04 दिनों के अन्दर सफल उद्भेदन :-मधुबनी एस पी. योगेंद्र कुमार ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला के जयनगर थाना अंतर्गत कांड सं0 18/25, दिनांक 20.01.2025 जिसमे 50 हजार झपट्टा मार कर छिनतई की घटना में शामिल अपराधी के मोटरसाइकिल एवं चेहरा का पहचान सी0सी0टी0भी0 से तथा डाटा डंप में आये दो सन्दिग्ध मोबाइल नबर का लोकेशन जयनगर में होने की सूचना पर टेक्निकल टीम के सहयोग से सघन वाहन चेकिंग के क्रम में शहीद चौंक पर एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति को पकड़ा गया। उक्त अभियुक्त के पास से कुल 21,500 नगद रूपया, 03 मोबाइल एवं 10 -10 ग्राम दो पिले रंग का प्लास्टिक पाउच में कुल 20 ग्राम ब्रॉउन शुगर, तथा 01 चोरी का मोटरसाईकिल बरामद किया गया।मधुबनी एस पी. योगेंद्र कुमार ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया की पकड़ाए अभियुक्त की पहचान कोढ़ा गैंग के 1. उदय कुमार, उम्र-21 पिता-महेश यादव, 2. मन्नू यादव, उम्र-45 पिता-रौशन यादव, दोनो सा0-नयाटोला जुरबगंज, थाना-कोढ़ा, जिला-कटिहार के रूप में हुई है।

गिरफ्तार अभियुक्त का नाम व पताः-
01.उदय कुमार, उम्र-21 पिता-महेश यादव, सा0-नयाटोला जुरबगंज, थाना-कोढ़ा, जिला-कटिहार।
अपराधिक इतिहासः-
1. (लखीसराय) थाना कांड सं0-630/21,
2. (औरंगाबाद) थाना कांड सं0-103/23
02.मन्नू यादव, उम्र-45 पिता-रौशन यादव, सा0-नयाटोला जुरबगंज, थाना-कोढ़ा, जिला-कटिहार।
अपराधिक इतिहासः-
1. (औरंगाबाद) थाना कांड सं0-113/18,
2. (औरंगाबाद) थाना कांड सं0-115/18
3. (औरंगाबाद) थाना कांड सं0-151/18
4. (औरंगाबाद) थाना कांड सं0-183/18
5. (औरंगाबाद) थाना कांड सं0-45/186. (औरंगाबाद) थाना कांड सं0-103/23
7. (पूर्णियाँ) थाना कांड सं0-664/23
बरामदगीः-

कल संपूर्ण जिले में हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस-

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

कल संपूर्ण जिले में हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस।
मुख्य समारोह की सभी तैयारियाँ पूर्ण।
मुख्य समारोह स्थल वाटसन उच्च विद्यालय में माननीय मंत्री खाद्य एवं उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग सह प्रभारी मंत्री श्रीमती लेशी सिंह करेंगी झंडोत्तोलन।
जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर समस्त जिलेवासियों को दी शुभकामनाएं।
मुख्य समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जाएंगी आकर्षक झांकियां-
जिले के सभी महादलित टोलो में भी हर्षोल्लास का वातावरण, महादलित टोलो में उत्सव के वातावरण में टोला बुजुर्ग द्वारा फहराया जाएगा तिरंगा।
शम्भुआर ग्राम के महादलित टोला वार्ड नंबर 5 में टोला बुजुर्ग राम विलास राम प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में करेंगे झंडोतोलन।
--- संपूर्ण जिले में हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में गणतंत्र दिवस मानये जाने को लेकर सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2025 को जिला मुख्यालय में ध्वजारोहण के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें सबसे पहले पूर्वाहन 9:00 बजे माननीय मंत्री मंत्री खाद्य एवं उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग सह प्रभारी मंत्री मधुबनी जिला श्रीमती लेशी सिंह द्वारा वाटसन उच्च विद्यालय के प्रांगण में जिला स्तरीय मुख्य समारोह स्थल पर ध्वजारोहण किया जाएगा।मुख्य समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जाएंगी आकर्षक झांकियां।इसके बाद पूर्वाहन 9:55 पर समाहरणालय में जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इसके उपरांत 10:10 पर अनुमंडल कार्यालय सदर, मधुबनी में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अश्वनी कुमार द्वारा झंडोत्तोलन कार्यक्रम होगा। 10:20 पर जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में उप विकास आयुक्त, दीपेश कुमार द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। 10:30 पर जिला परिषद, मधुबनी के कार्यालय में जिला परिषद परिषद अध्यक्षा, श्रीमती बिंदु गुलाब यादव द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। 10 बजकर 40 मिनट पर जिला पदाधिकारी द्वारा रेड क्रॉस भवन पर ध्वजारोहण किया जाएगा। 10:50 पर नगर निगम कार्यालय मधुबनी में झंडोतोलन किया जाएगा, 11:05 नगर थाना के थानाध्यक्ष द्वारा नगर थाना परिसर में तिरंगा फहराया जाएगा और 11:20 में पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार के द्वारा पुलिस लाइन मधुबनी में ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पूरे जिले में गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले के सभी महादलित टोलो में पूरे हर्षोल्लास एवं उत्सव के वातावरण में टोला बुजुर्ग द्वारा तिरंगा फहराया जाएगा, जिसमे प्रभारी मंत्री सहित जिले के पदाधिकारी भी भाग लेंगे। शम्भुआर ग्राम के महादलित टोला वार्ड नंबर 5 में टोला बुजुर्ग राम विलास राम प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में झंडोतोलन करेंगे। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने गणतंत्र दिवस के पूर्व संध्या पर जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, गणमान्य, अधिकारियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी प्रतिनिधियों सहित तमाम जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि जिले वासियों के सहयोग से मधुबनी जिला समाजिक सौहाद्र, शांतिपूर्ण एवं विधि व्यवस्था के वातावरण में प्रगति की राह पर सदैव अग्रसर रहेगा

हत्या आरोपी के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तहार, आत्मसमर्पण नहीं किया तो होगी कुर्की जप्ती।

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज 25 जनवरी शनिवार। महाराजगंज पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर लम्बे समय से फराह चल रहे हत्या आरोपी रिसौरा ग्राम निवासी दामोदर सिंह के घर पुलिस ने इश्तहार चिपकाया। हत्या आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए कई जगहों पर पुलिस ने छापामारी की लेकिन हत्या आरोपी पुलिस गिरफ्त से अभी तक बाहर है। जिसे कोर्ट ने हत्या आरोपी के खिलाफ इश्तहार निर्गत किया है। अगर हत्या आरोपी आत्मसमर्पण नहीं करता है तो उसके घर को बुलडोजर इत्यादि से ध्वस्त कर संपति कुर्क की जाएगी। वही महाराजगंज थाना अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह ने बताया की रिसौरा गांव निवासी दामोदर सिंह हत्या में आरोपित है जिसके गिरफ्तारी के लिए कोर्ट ने समन जारी किया है।

मधुबनी, मधनिषेध की टीम को मिली बड़ी सफलता 3945.6 लीटर है विदेशी शराब जप्त

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी मधनिषेध विभाग मधुबनी की टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर हुलास पट्टी जागेश्वर स्थान के निकट थाना फुलपरास से एक ट्रक (22 चक्के) में कटे-फटे पीओपी के बोरा के आड़ में गुप्त तहखाना बनाकर रखा हुआ कुल 443 पेटी विदेशी शराब जिसका कुल मात्रा 3945.6 लीटर है को जप्त कर वाहन चालक/वाहन मालिक तथा अन्य पर फरार अभियोग दर्ज कर आवश्यक करवाई कि जा रही है।

रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत कुमार पंकज ने किया पत्रकारों को सम्मानित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के दलसिंहसराय के रामपुर जलालपुर स्थित आर एल महतो इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के परिसर में पत्रकार सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत कुमार पंकज ने दर्जनों पत्रकारों को शाल, माला, डायरी और कलम देकर सम्मानित किया। सम्मान समारोह के पश्चात प्रशांत कुमार पंकज ने एक दूसरे से परिचय प्राप्त की। माना जा रहा है कि 2025 के विधानसभा चुनाव में एनडीए की ओर से अपनी उम्मीदवारी के लिए मन बना लिया है, वे संभवतः चुनावी मैदान में कुदेंगे। वैसे राष्ट्रीय लोक मोर्चा के आलाकमान किसे टिकट देते हैं यह आने वाला समय बताएगा। वैसे आज पत्रकारों को बुलाने और उनसे बातचीत करने के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत कुमार पंकज का मन गदगद लग रहा था।

बंदर ने छत से युवती को दिया धक्का, छत से गिर कर हुई मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सिवान महाराजगंज भगवानपुरहाट। महाराजगंज अनुमंडल के भगवानपुरहाट थाना क्षेत्र के माघर में एक छात्रा को बंदर ने छत से धक्का दिया जिसे वह छत से नीचे गिर गई जिसे उसकी मौत हो गई। बता दे की इस वर्ष की मैट्रिक क्लास की छात्रा ने छत पर कपड़ा सुखाने छत पर गई थी। जहां उसकी नजर बंदर पर पड़ी जिसे भगाने की कोशिश की लेकिन बंदर ने उसे ही छत से धक्का दिया जिसे वह नीचे गिर पड़ी। जो शरीर में गंभीर चोटिल हो गई। परिजनों ने आनन फानन में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भगवानपुरहाट ले गए जहां स्थिति गंभीर होने के चलते प्राथमिक उपचार कर डॉक्टरों ने सदर अस्पताल रेफर कर दिया जिसकी रास्ते में ही मौत हो गई।

संपूर्ण जिला में हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह की सभी तैयारियाँ पूर्ण

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

संपूर्ण मधुबनी जिला में हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में मनाया जाएगा गणतंत्र दिवस। मुख्य समारोह की सभी तैयारियाँ पूर्ण।मुख्य समारोह स्थल वाटसन उच्च विद्यालय में माननीय मंत्री खाद्य एवं उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग सह प्रभारी मंत्री श्रीमती लेशी सिंह करेंगी झंडोत्तोलन।जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर समस्त जिलेवासियों को दी शुभकामनाएं।मुख्य समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जाएंगी आकर्षक झांकियां- जिले के सभी महादलित टोलो में भी हर्षोल्लास का वातावरण, महादलित टोलो में उत्सव के वातावरण में टोला बुजुर्ग द्वारा फहराया जाएगा तिरंगा।-----*शम्भुआर ग्राम के महादलित टोला वार्ड नंबर 5 में टोला बुजुर्ग राम विलास राम प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में करेंगे झंडोतोलन। - संपूर्ण जिले में हर्ष एवं उल्लास के वातावरण में गणतंत्र दिवस मानये जाने को लेकर सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी 2025 को जिला मुख्यालय में ध्वजारोहण के कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसमें सबसे पहले पूर्वाहन 9:00 बजे माननीय मंत्री मंत्री खाद्य एवं उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग सह प्रभारी मंत्री मधुबनी जिला श्रीमती लेशी सिंह द्वारा वाटसन उच्च विद्यालय के प्रांगण में जिला स्तरीय मुख्य समारोह स्थल पर ध्वजारोहण किया जाएगा।मुख्य समारोह स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा निकाली जाएंगी आकर्षक झांकियां।इसके बाद पूर्वाहन 9:55 पर समाहरणालय में जिला पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा। इसके उपरांत 10:10 पर अनुमंडल कार्यालय सदर, मधुबनी में अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अश्वनी कुमार द्वारा झंडोत्तोलन कार्यक्रम होगा। 10:20 पर जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में उप विकास आयुक्त, दीपेश कुमार द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। 10:30 पर जिला परिषद, मधुबनी के कार्यालय में जिला परिषद परिषद अध्यक्षा, श्रीमती बिंदु गुलाब यादव द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। 10 बजकर 40 मिनट पर जिला पदाधिकारी द्वारा रेड क्रॉस भवन पर ध्वजारोहण किया जाएगा। 10:50 पर नगर निगम कार्यालय मधुबनी में झंडोतोलन किया जाएगा, 11:05 नगर थाना के थानाध्यक्ष द्वारा नगर थाना परिसर में तिरंगा फहराया जाएगा और 11:20 में पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार के द्वारा पुलिस लाइन मधुबनी में ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पूरे जिले में गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले के सभी महादलित टोलो में पूरे हर्षोल्लास एवं उत्सव के वातावरण में टोला बुजुर्ग द्वारा तिरंगा फहराया जाएगा, जिसमे प्रभारी मंत्री सहित जिले के पदाधिकारी भी भाग लेंगे। शम्भुआर ग्राम के महादलित टोला वार्ड नंबर 5 में टोला बुजुर्ग राम विलास राम प्रभारी मंत्री की उपस्थिति में झंडोतोलन करेंगे। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने गणतंत्र दिवस के पूर्व संध्या पर जिले के सभी जनप्रतिनिधियों, गणमान्य, अधिकारियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी प्रतिनिधियों सहित तमाम जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

डॉ0 मुक्तेश्वर सिन्हा की 60 वीं पुण्यतिथि मनाई गइ

समस्तीपुर (रोजनामा इंडो गल्फ) : -- डा. मुक्तेश्वर सिन्हा मुक्खा बाबू की 60 वीं पुण्यतिथि डा. मुक्तेश्वर सिन्हा मॉडेस्टी स्कूल ताजपुर के प्रांगण में पुष्पांजलि और माल्यार्पण कर मनाया गयो इस अवसर पर विजय दास ने उनकी उपलब्धि पर एक कविता पाठ करते हुए मुख्खा बाबू का जीवन परिचय दिया साथ ही बच्चों को उनके जीवन पर आधारित एक पुस्तक का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती अंजलि केवट ने कहा कि डॉ मुक्तेश्वर सिन्हा के जीवनी से यह साफ पता चलता है कि मनुष्य के जीवन में शिक्षा का क्या महत्व है और शिक्षा आपको जीवन में सदा सफलता प्रदान करती है छात्र एवं शिक्षकगण के साथ स्कूल के निदेशक श्री आदर्श कुमार पिंटू श्रीमती आशा सिन्हा, देवसर, रोहित, दुर्गेश, शाहिद, नागेंद्र रवि, रंजीत, कल्पना, लक्ष्मी, साक्षी, सुजाता, शाहिल, राखी, ज्योति, बुलबुल, पूजा, बबिता, हरिचन्द्र, ट्विंकल कुमारी आदि ने इस अवसर पर पुष्पांजलि अर्पित कर मुख्खा बाबू को याद किया

ट्रेन में करोड़ों का माल भूले लोग, अब ढूंढकर सामान पहुंचा रहा आरपीएफ

- पिछले वर्ष आरपीएफ ने 6.6 करोड़ का सामान वापस किया

नई दिल्ली।

ट्रेन में सफर के दौरान कई यात्री अपना सामान भूल जाते हैं। इसमें कई बार ऐसा सामान भी होता है तो जो कीमती होता है। यात्रियों को लगता है कि चलती ट्रेन में या स्टेशन में छूटा सामान वापस मिलने वाला नहीं है। इसलिए लोग कहीं पर संपर्क भी नहीं करते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि ट्रेन या स्टेशन में खोया सामान भी वापस मिल सकता है। स्वयं आरपीएफ यात्रियों का खोया उन्हें ढूंढ़ ढूंढ़कर सामान लौटा रहा है। पिछले वर्ष आरपीएफ ने 6.6 करोड़ का सामान वापस किया है। कई बार यात्री ट्रेन चढ़ने या उतरने में हड़बड़ी करते हैं या फिर कई बार स्टेशन छोड़ने समय जल्दबाजी में कुछ सामान वहीं छूट जाता है। ट्रेन पर बैठने या उतरने के बाद जब वो लगेज चेक करते हैं तो पता चलता है कि फलां सामान छूट या है। इस तरह का सामान बरामद करने के लिए आरपीएफ ऑपरेशन 'अमानत' चलाता है। आरपीएफ खोए हुए सामान को वापस मालिक तक पहुंचाने के लिए ऑपरेशन अमानत चलाता है। इसके माध्यम से आरपीएफ ट्रेन या स्टेशन में यात्रियों के खोए हुए सामानों का पता लगाता है और सुनिश्चित करता है कि वे उनके असली मालिकों को वापस कर दिए जाएं। 2024 में, 6.67 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सामान लगभग 2200 असली मालिकों को लौटा दिए गए। इस तरह अगर आपका भी सामान ट्रेन या स्टेशन में छूट जाए तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। रेलवे के अनुसार अगर आपका कोई सामान ट्रेन या स्टेशन में छूट जाता है तो आपको आरपीएफ से संपर्क कर अपने सामान की जानकारी देनी चाहिए। आरपीएफ को ऑपरेशन अमानत के तहत अगर यह सामान कहीं से बरामद होता है तो वापस मिल सकता है। इसके लिए अब आपको जरूरी औपचारिकता करनी होगी।

ईवी में भरोसा बढ़ाने मारुति किराये पर देगी पेट्रोल कार

टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की भी योजना

मुंबई।

मारुति सुजूकी ने अपनी इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा को बाजार में उतारने से पहले चार्जिंग व्यवस्था और सर्विस नेटवर्क का व्यापक विस्तार करने का ऐलान किया है। यह कार 500 किलोमीटर तक चलने का क्षमता होगी और 2,700 मिलीमीटर लंबे व्हीलबेस के साथ आएगी। इसके साथ ही कंपनी पुराने जमाने की सोच को तोड़कर ग्राहकों को सु विधा प्रदान करने के लिए कई नई योजनाएं लेकर आ रही है। इसमें एक हाइब्रिड कार किराए पर देने का प्रस्ताव भी शामिल है, जो ईवी ग्राहकों को लंबी या बहुत दूरी तक की यात्रा के लिए विकल्प प्रदान करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि ईवी सिलसिले में ग्राहकों को जितनी सुविधाएं मिल सकती हैं, उतनी ही सरल और आसानी से मिलनी चाहिए। उन्होंने उज्जवल भविष्य की कल्पना करते हुए कहा कि हम ईवी को खरीदने वाले ग्राहकों को पहली कार के रूप में महसूस कराना चाहते हैं। इस निर्धारित राह को आगे बढ़ाते हुए मारुति सुजूकी ने विभिन्न शहरों में 1,000 सर्विस वर्कशॉप को ईवी कारों के लिए तैयार करने का भी ऐलान किया है। कंपनी ने टॉप 100 शहरों में हर 5 से 10 किलोमीटर पर फास्ट चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना करने की भी योजना बनाई है। इन सब उपायों से मारुति सुजूकी का उद्देश्य है ग्राहकों को सुरक्षित और सुखद ईवी यात्रा का अनुभव करवाना, ताकि उन्हें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी होने की भावना में एक उत्कृष्ट माध्यम मिले।

कंपनी ने जो दिशा में कदम बढ़ाया है, यह स्पष्ट दर्शाता है कि भावनात्मक सहयोग और आधुनिक तकनीक का सही संयोजन हमें समृद्धि की ओर ले जा सकता है।

नोएडा प्लांट में भी बनेंगे गैलेक्सी एस25 सी रिज के स्मार्टफोनः सैमसंग

- सैमसंग की भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने की योजना

नई दिल्ली।

साउथ कोरिया की इलेक्ट्रॉनिक्स दिग्गज कंपनी सैमसंग ने अपने नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस 25 सीरीज लॉन्च की है। अमेरिका के सैन जोस में आयोजित इवेंट में इस सीरीज की घोषणा की गई और इसमें गैलेक्स एस25 अल्ट्रा, एस25+ और एस25 मॉडल शामिल हैं। यह स्मार्टफोन भारत के नोएडा स्थित सैमसंग प्लांट में भी बनाया जाएगा। गैलेक्सी एस25 सीरीज की कीमत 800 डॉलर (करीब 66,000 रुपये) से शुरू होकर अल्ट्रा-प्रीमियम सेगमेंट में प्रस्तुत हो रही है। इस लॉन्च से सैमसंग ने भारतीय बाजार में अपनी पकड़ जमाने का मिशन तय किया है। सीरीज को विकसित करने में सैमसंग के बेंगलुरु स्थित रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर ने सहयोग किया है। इस सेंटर ने एआई क्षमताओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे साउथ कोरिया के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा आरएंडडी सेंटर बना दिया है। सैमसंग की उम्मीद है कि इस नई सीरीज स्मार्टफोन बाजार में एक नया दौर खोलेगा और स्मार्टफोन कंपनियों के बीच मुकाबला औरत बढ़ाएगा। यह सीरीज फिचर्स में कस्टमाइज्ड स्नैपड्रैगन 8 एलीट मोबाइल प्लेटफॉर्म फॉर गैलेक्सी को समेत लेकर आता है, जो एआइ फीचर्स के लिए बेहतर प्रोसेसिंग परफार्मेंस प्रदान करता है। इस सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सीरीज की ग्लॉबल लॉन्चिंग ने उम्मीदों को उच्च कीमत, तकनीकी नवाचार और शानदार डिज़ाइन की उम्मीद दी है। सैमसंग की गैलेक्सी एस25 सीरीज एक नया मील का पत्थर बन सकती है।

रोजगार के मोर्चे पर खुशखबरीः ईपीएफओ में बढ़ोतरी

- ईपीएफओ से नवंबर में जुड़े 14.63 लाख मेंबर्स

नई दिल्ली।

रोजगार के मोर्चे पर एक शानदार खुशखबरी आई है, जो आम लोगों के जीवन में नया उत्साह भर रही है। भारत के प्रमुख रिटायरमेंट फंड बॉडी, ईपीएफओ ने पिछले साल नवंबर में 14.63 लाख नए मेंबर्स को अपने नेटवर्क में शामिल किया है, जो एक साल में 4.88 फीसदी की वृद्धि है। श्रम मंत्रालय ने इस वृद्धि को स्वीकारते हुए बताया कि ईपीएफओ की प्रभावी पहुंच और सक्षम प्रयासों के बदलाव से यह मुमकिन हुआ है। मंत्रालय ने आंकड़ों पर ध्यान दिया कि 18-25 आयु वर्ग का अहम योगदान है। इस आयु वर्ग में भी 4.81 लाख नए मेंबर्स जुड़े हैं, जिससे समय के साथ छात्रों की भी दरमियानी से सरकारी नौकरियों की ओर दिशा बढ़ रही है। डेटा के अनुसार नवंबर 2024 में जुड़े नए मेंबर्स में से लगभग 2.40 लाख महिलाएं हैं, जो महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक

महत्वपूर्ण साबित होता है। राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि महाराष्ट्र जैसे राज्यों में इस वृद्धि का सबसे बड़ा योगदान है। इस सुधार से स्पष्ट है कि रोजगार के क्षेत्र में नए उत्थान की दिशा में वीरों एक नया पल आया है। ईपीएफओ की इस बढ़ती आपूर्ति के साथ, देश के अर्थव्यवस्था में भी नया जीवन फूंका जा रहा है।

सरकार को बजट में संरचनात्मक सुधारों के लिए राजनीतिक पकड़ का उपयोग करना चाहिएः सुब्बाराव

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर डी. सुब्बाराव ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की 3.0 सरकार को वृद्धि तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए आगामी बजट में राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को वित्त वर्ष 2025-26 का केंद्रीय बजट संसद में पेश करेंगी। यह बजट वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं तथा धीमी पड़ती घरेलू वृद्धि के बीच आ रहा है। सुब्बाराव ने एक साक्षात्कार में कहा` कि यह राजग 3.0 सरकार का पहला पूर्ण बजट है और इसे राजनीतिक रूप से कठिन संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिए अपनी विशाल राजनीतिक पकड़ का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि बजट का प्राथमिक उद्देश्य अर्थव्यवस्था को टिकाऊ बनाना तथा उच्च वृद्धि पथ पर लाना है। सुब्बाराव ने कहा, लेकिन केवल वृद्धि से काम नहीं चलेगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वृद्धि का लाभ व्यापक रूप से सभी तक पहुंचे यानी हमें असमानता कम करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के निचले तबके की आधी आबादी का विशाल उपभोग आधार देश की वृद्धि का सबसे बड़ा चालक है। सुब्बाराव ने कहा ` कि निचले आधे हिस्से में उपभोग बढ़ाने का एकमात्र स्थायी तरीका

रोजगार सृजन है। यदि वे अधिक कमाएंगे, तो वे अधिक खर्च करेंगे, जिससे अधिक उत्पादन, अधिक रोजगार तथा उच्च वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

मारुति ब्रेजा को प्रमोट करते दिखाई देंगे कार्तिक आर्यन

मुंबई। मारुति सुजुकी इंडिया ने बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन को अपनी प्रमुख कॉम्पैक्ट एसयूवी, मारुति ब्रेजा का नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है। यह घोषणा भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 के दौरान की गई। कार्तिक को ब्रेजा के साथ जोड़कर कंपनी ने युवाओं को आकर्षित करने और गाड़ी की डाइनैमिक इमेज को और मजबूत करने की रणनीति पर काम किया है। मारुति ब्रेजा को 2016 में लांच किया गया था, और यह तब से कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक प्रमुख खिलाड़ी बनी हुई है। अब तक इसकी 12 लाख से ज्यादा यूनिट्स बिक चुकी हैं। 2024 में 1,88,160 यूनिट्स की बिक्री के साथ ब्रेजा ने बाजार में सबसे ज्यादा बिकने वाली कॉम्पैक्ट एसयूवी का दर्जा हासिल किया। इसका मुकाबला टाटा नेक्सन, हुंडई वेन्यू और किआ सोनेट जैसी गाड़ियों से है। ब्रेजा 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ आती है, जो कि 101.64 बीएचपी पावर और 136.8 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। ब्रेजा में 5-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स विकल्प मौजूद हैं। इसके साथ मारुति की स्मार्ट-हाइब्रिड तकनीक भी है, जो माइलेज और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रदर्शन को बेहतर बनाती है।

अमेजान ने सात गोदाम बंद करने का किया ऐलान, 1700 नौकरियां खतरे में

मुंबई। ऑनलाइन रिटेलर अमेजन ने कहा कि वह आने वाले दो महीने में कनाडा के क्यूबेक में अपने सभी सात गोदामों को बंद कर देगा। अमेजन का कहना है कि इस फैसले के बाद लंबे समय तक उनके कस्टमर्स की बचत होगी। हालांकि, कनाडाई संघ ने अमेजन पर आरोप लगाया है कि उसने क्षेत्र में अपनी कोशिशों को रोकने के कारण गोदामों को बंद करने का निर्णय लिया है। संघ ने यह भी कहा कि उन्होंने एक गोदाम को सफलतापूर्वक संघबद्ध किया है। अमेजन के अनुसार, इस फैसले से ग्रेटर मॉन्ट्रियल क्षेत्र में लगभग 1,700 लोगों की नौकरियां प्रभावित होंगी, जिनमें से 250 कर्मचारी अस्थायी तौर पर काम कर रहे हैं। अमेजन की तरफ से जानकारी दी गई कि पैकेज को बांटने के लिए स्थानीय और तीसरे पक्ष की कंपनियों को नियुक्त करेगा। अमेजन की ओर से 2020 से पहले क्यूबेक में जिस बिजनेस मॉडल को फॉलो किया गया था, वो उसे फिर से इस्तेमाल करेगा। अमेजन एक प्रवक्ता के मुताबिक ये फैसला यूं ही नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि इस फैसले के बाद प्रभावित कर्मचारियों को एक पैकेज दिया जाएगा। इस पैकेज में सुविधाओं के बंद होने के बाद 14 हफ्ते तक का वेतन दिया जाएगा। साथ ही नौकरी प्लेसमेंट संसाधनों जैसे लाभ को भी इसमें शामिल किया गया है।

इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450 एक्स का नया संस्करण पेश, दो बैटरी विकल्पों में उतारा

मुंबई।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में एथर एनर्जी ने अपने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर 450 एक्स का नया संस्करण पेश किया। स्कूटर में कई तकनीकी सुधार और फीचर अपग्रेड किए हैं, जो इस स्कूटर को पहले से ज्यादा आकर्षक और उपयोगी बनाते हैं। एक्सपो में पेश मॉडल इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एथर की मजबूत स्थिति को और सुदृढ़ करने के लिए तैयार है। एथर 450 एक्स को दो बैटरी विकल्पों में उतारा गया है। 2.9 किलोवॉट प्रतिघंटा बैटरी वाला वेरिएंट 126 किलोमीटर की रेंज देता है, जबकि 3.7 किलोवॉट प्रतिघंटा बैटरी वाला वेरिएंट 161 किलोमीटर तक की रेंज देता है। इनकी कीमत क्रमशः 1.75 लाख और 1.85 लाख रखी गई है। स्कूटर में नया टच स्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जोड़ा गया है, जिससे यूजर्स को बेहतर इंटरफेस का अनुभव मिलेगा। इसके अलावा, इसमें इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिए सिम पोर्ट और एक विशेष इमरजेंसी बटन दिया है। यह बटन तीन बार दबाने पर राइडर की लाइव लोकेशन पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजता है, जो सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी सुविधा है। प्रो पैक वेरिएंट में ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन, ऑटो-होल्ड और फाइंड माई स्कूटर जैसे उन्नत फीचर्स शामिल हैं। इसके अलावा, स्कूटर चार नए रंग विकल्पों–लूनर ग्रे, टू रेड, हाइपर सैंड, और अन्य शेड्स में उपलब्ध होगा। डिजाइन में बड़े बदलाव नहीं किए गए हैं, लेकिन सस्पेंशन ट्यूनिंग और एडवांस्ड राइडिंग मोड्स को बेहतर बनाया गया है। एथर 450 एक्स का यह नया संस्करण लंबी रेंज, प्रीमियम फीचर्स और सुरक्षा के साथ इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में एक नई दिशा तय करने के लिए तैयार है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही ऑटो, आईटी, सीमेंट और कुछ हेल्थकेयर स्टॉक्स में तेजी से आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान घरेलू कंपनियों के दिसंबर तिमाही के परिणाम कमजोर रहने की आशंका व डोनल्ड ट्रंप के टैरिफ शुल्क बढ़ाने की योजना से बाजार की तेजी पर कुछ हद तक अंकुश भी लग गया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज करोबार के अंत में 115.39 अंक करीब 0.15 फीसदी बढ़कर 76,520 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 50 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी की बढ़त के साथ ही 23,205 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में अल्ट्रा सीमेंट्स 7 फीसदी उछलकर बंद हुआ। जोमैटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सनफार्मा, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाइटन, टाटा स्टील, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयरों में भी बढ़त रही।

वहीं पावर ग्रिड , कोटक बैंक, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, हिंदुस्तान यूनिलीवर, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, एलएन्डटी और टीसीएस के शेयरों में गिरावट रही। आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और कमोडिटी शेयरों में जोरदार खरीदारी के कारण घरेलू बाजार में उत्साह का माहौल रहा।

दूसरी ओर एशियाई बाजारों की बात करें तो टोक्यो और शंघाई के बाजारों में बढ़त रही जबकि हांगकांग और सियोल के बाजार नीचे आये।

यूरोपीय बाजारों में भी बढ़त रही। अमेरिकी शेयर बाजार गत दिवस तेजी के साथ बंदु हुए थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार

गिरावट में खुले हालांकि बाद में वापसी करते हुए शेयर बाजार हरे निशान में लौट गए।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय आठ पैसे की गिरावट के साथ ही 86.43 रुपये पर बंद हुआ। वहीं सुबह रुपया गुरुवार के कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की गिरावट के साथ ही अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.40 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 86.46 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 86.52 प्रति डॉलर पर आ गया। हालांकि शेयर बाजार में तेजी आने से इसमें कुछ सुधार हुआ और यह बुधवार के बंद स्तर से पांच पैसे की गिरावट के साथ 86.40 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.35 पर बंद हुआ था।

स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का शेयर 33 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का शेयर अपने निर्गम मूल्य 90 रुपये से 33 प्रतिशत उछाल के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई तथा एनएसई पर शेयर की शुरुआत 120 रुपये पर हुई, जो निर्गम मूल्य से 33.33 प्रतिशत की बढ़त` दिखाता है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन बीएसई पर 999.42 करोड़ रुपये और एनएसई पर 999.50 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के ओ खिरी दिन पिछले सोमवार को 188.38 गुना अभिदान मिला था। रेफिजरेंट्स आपूर्तिकर्ता स्टैलियन इंडिया फ्लोरोकेमिकल्स का 199.45 करोड़ रुपये का आईपीओ 1.78 करोड़ नए शेयर और 43.02 लाख शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन था। इसके लिए 85-90 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।

वॉलमार्ट ने भारत की स्टार्टअप कंपनियों के साथ किया समझौता

वाशिंगटन। खुदरा क्षेत्र की अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी वॉलमार्ट ने भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए शुरुआती स्तर के रणनीतिक कार्यक्रमों की घोषणा की है। यह कंपनी ने पुणे स्थित केबीकोल्स साइंसेज, चेन्नई स्थित ग्रीनपॉड लैब्स और बेंगलुरु स्थित क्रॉपिन के साथ सहयोग करने का निश्चय किया है। वॉलमार्ट के उपाध्यक्ष ने इस उद्देश्य को बताते हुए कहा` कि प्रौद्योगिकी नवाचार ही है जो वैश्विक स्तर पर मजबूत आपूर्ति श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए वास्तविक दुनिया के समाधानों को प्रेरित करती है। यह साझेदारी समर्थन करने वाली यह स्टार्टअप कंपनियाँ वॉलमार्ट की आपूर्ति श्रृंखलाओं में नवाचार लाने में मदद करेंगी और वॉलमार्ट को उनके समाधानों की प्रेरणा मिलेगी। यह साझेदारी भारतीय बाजार में नए उद्यमियों के लिए एक बड़ी संधि की ओर कदम बढ़ाती है।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपोः 1,500 से अधिक कंपनियों ने लिया भाग, 200 से अधिक नए और मौजूदा उत्पादों का देखा

एक्सपो में इलेक्ट्रिक वाहन प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे

मुंबई।

भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का भव्य समापन हुआ। भारत मंडपम, यशोभूमि, और ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में आयोजित प्रदर्शनी में 1,500 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया। करीब 8 लाख दर्शकों ने वाहन, कलपुर्जा और प्रौद्योगिकी खंडों में प्रस्तुत किए गए 200 से अधिक नए और मौजूदा उत्पादों का देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जनवरी को केंद्रीय मंत्रियों और वाहन उद्योग के दिग्गजों की मौजूदगी में एक्सपो का उद्घाटन किया। इस बार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा लांच किया, जो भारत में निर्मित होकर 100 से अधिक देशों में निर्यात होगा। हुंदै मोटर इंडिया ने क्रेटा इलेक्ट्रिक पेश की, जबकि विनफास्ट (वियतनाम) और बीवाईडी (चीन) ने भी अपने ऑटोमोबाइल उत्पाद प्रदर्शित किए।

आयोजन ने परिवहन क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला–वाहन निर्माता, कलपुर्जा निर्माता, इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, बैटरी निर्माता और सॉफ्टवेयर फर्मों को एक छत के

नीचे लाने का काम किया। इसका मुख्य उद्देश्य टिकाऊ परिवहन और प्रौद्योगिकी नवाचार को बढ़ावा देना था।

वाहन निर्माताओं के संगठन सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने बताया यह आयोजन टिकाऊ परिवहन पर उद्योग के फोकस को दिखाता है। वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि सभी पक्षों के सुझावों पर विचार किया जाएगा।

ड्राई फूट्स व्यापारियों की मांग, जीएसटी घटाकर 5 फीसदी किया जाए

नई दिल्ली। देश के ड्राई फूट्स व्यापारियों की इकाई नट्स एंड ड्राई फूट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एनडीएफसी) ने सरकार से कई महत्वपूर्ण अनुरोध किए। एनडीएफसी ने अखरोट के आयात शुल्क को प्रति किलोग्राम के आधार पर युक्तिसंगत बनाने, जीएसटी को घटाकर पांच प्रतिशत करने और इस क्षेत्र के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना शुरू करने की मांग की है। काउंसिल के अनुसार भारत का मेवे का बाजार 18 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर से बढ़ रहा है और यह 2029 तक 12 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

लोकतंत्र को मजबूती देने के लिये मतदाता को जागना होगा

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

ललित गर्ग

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है।

भारत में राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व में भारत जैसे सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान को लेकर कम होते रुझान को देखते हुए इस दिवस को मनाने की आवश्यकता महसूस हुई और पहली बार इसे वर्ष 2011 में मनाया गया। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन दिया जाये। 'मतदाता बनने पर गर्व है, मतदान को तैयार हैं' जैसे नारों के साथ मतदान दिवस मनाने का मुख्य कारण है कि लोगों को मतदान का महत्व बताया जाए ताकि लोग इसके प्रति जागरूक हो और अपने मत का आवश्यकतरूप से उपयोग करते हुए सही उम्मीदवार को चुने। 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस-2025 की थीम है 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम।' ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम-दाम-दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच

जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि 'अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।' इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद-फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहूबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की होड़-सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा-पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली-पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण विमर्शनीय विषय है लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का सुझाव, इसको लेकर एक सार्थक बहस छिड़ी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों चुनावों को एक साथ कराने का सुझाव दिया था। चुनाव एक साथ कराने का विचार बहुत नया हो, ऐसा भी नहीं है। पिछली सरकारों में भी समय-समय पर इस पर चर्चाएँ होती रही हैं। लेकिन इस व्यवस्था को लागू करने को लेकर अनेक संवैधानिक समस्याएं भी और कुछ बुनियादी सवाल भी है। इन सबका समाधान करते हुए यदि हम यह व्यवस्था लागू कर सके तो यह सोने में सुहागा होगा। जनता की गाढी कमाई की बबार्दी को रोकने, बार-बार चुनाव प्रक्रिया के होने जनता को होने वाली परेशानी और प्रशासनिक कार्य में होने वाली असुविधाओं को रोकने के लिए चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था निश्चित रूप से लोकतंत्र को एक नई उष्मा एवं नया परिवेश देगी। यदि इसके लिये कोई सर्वमान्य रास्ता निकलता है तो सचमुच यह देश, समाज और लोकतंत्र के हित में होगा। जैसाकि हम जानते हैं कि लोग शीघ्र ही अच्छा देखने के लिए बेताब हैं, उनके सब्र का प्याला भर चुका है। लोकतंत्र को दागदार बनानेवाले अपराध और अपराधियों की संख्या बढ़ रही है। जो कोई सुधार की चुनौती स्वीकार कर सामने आता है, उसे रास्ते से हटा दिया जाता है। लेकिन इस बार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ऐसा एक नया रास्ता बने जो लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने एवं चुनाव की खामियों को दूर करने के लिये एक नया सूरज उदित करे और मतदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों का अहसास कराये, तभी इस दिवस की सार्थकता एवं प्रासंगिकता है।

संपादकीय

अफवाह से पसरी मौत

उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव में आग फैलने की अफवाह के चलते तेरह की ट्रेन से कट कर मौत वाकई दुखदाई है। लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह के कारण यात्रियों द्वारा चेन खींच कर कूदकर भागते हुए दूसरी पटरी पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस ने रौंद दिया। शुरूआती जानकारी के अनुसार जनरल बोगी में चिंगारी उठने और धुंआ फैलने से अफरा-तफरी हुई और आग की अफवाह तेजी फैल गई। रेलवे के अनुसार एक्सल के गरम होने या ब्रेक जाम होने के कारण ऐसा हो जाता है। चूंकि उस जगह ट्रैक घुमावदार था इसलिए दूसरी तरफ से आ रही तेज रफ्तार ट्रेन नजर नहीं आई। इस सेक्शन पर ट्रेनें सौ किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ती हैं। रेल विभाग ने अपने चालकों का पक्ष रखते हुए बताया कि दोनों ने फ्लैशर ऑन कर नियमों का पालन किया था। सबसे बड़ा सवाल है, ट्रेन के पहियों से धुंआ क्यों और कितना निकला। दूसरे, यह रख-रखाव से जुड़ी लापरवाही तो नहीं है या उपकरणों में की गई कोताही। जिसे रेल विभाग छिपाने का प्रयास कर रहा है। रेल पटरियों में बैठने वालों को कुचलने के कई हादसे अपने यहां पहले भी हो चुके हैं। 2021 में बिल्कुल इसी तरह चिंगारी देख यात्रियों के भागने से गिर कर मौत हो गई थी। 2020 में लॉक ड़ाउन के समय औरंगाबाद में पटरियों पर सो रहे दस प्रवासी मजदूरों को माल गाड़ी ने रौंद ड़ाला था। 2018 में दशहरा पर्व में साठ से ज्यादा लोगों को तेज रफ्तार ट्रेन द्वारा रौंदा जाना शामिल है। अफवाह कैसे फैली या किसने फैलाई इसकी जांच की जा रही है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि आग भड़क ने की बात चाय वाले द्वारा की गई। अन्य धुंआ फैलने की बात कर रहे हैं। इस तरह झूठी अफवाहों के प्रति जागरूकता लाना दुष्कर है। रेलवे अपनी गलती छिपाने की कोशिशें भी कर रहा हो तो यात्रियों को अपनी सुरक्षा के प्रति लापरवाहीपूर्ण रवैये से बाज आना चाहिए। तमाम हिदायतों व नियमों के बावजूद वे ज्वलनशील सामग्री लेकर यात्रा करते अकसर पकड़े.जाते हैं। झूठी अफवाहों को पूर्ण रूप से रोकना लगभग असंभव है। खासकर भीड़.में, वह भी जब जान-माल को क्षति पहुंचने का जोखिम हो। लिहाजा, रेल विभाग को तकनीक और आधुनिक व्यवस्था का बेहतर इस्तेमाल करने व यात्रियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने की जिम्मेदारी से हाथ नहीं झाड़ना चाहिए।

रेबड़ियों पर केंद्रित होता दिल्ली चुनाव

सुरेश हिंदुस्तानी

देश की राजधानी दिल्ली में चुनावी घमासान के बीच रेबड़ी बांटने की प्रतिस्पर्धा सी चलती दिखाई दे रही है। इससे ऐसा लगता है कि अब दिल्ली राज्य की सत्ता तक पहुँचने का मार्ग केवल रेबड़ी ही है। दिल्ली राज्य के लिए होने वाले चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल मतदाताओं के लिए लोक लुभावन तरीके से अपने पिटारे से रेबड़ी बांटने की योजना जनता के बीच बता रहे हैं। इसके लिए आम आदमी पार्टी तो पहले से ही अपने पिटारे को खोलकर बैठी है। अब इसमें कांग्रेस और भाजपा भी अपने कदमों को उसी ओर बढ़ाने की ओर प्रवृत हुई है, जिस ओर आदमी पार्टी जाती रही है। लेकिन एक तथ्य ध्यान देने योग्य माना जा सकता है कि आम आदमी पार्टी के पास कुछ भी नया नहीं है, क्योंकि वह पिछले चार विधानसभा चुनावों से इस राह पर चल रही है। मुफ्त में देने के वादे करना एक प्रकार से आम आदमी पार्टी की फितरत ही बन गई है। इससे अलग अपेक्षा भी नहीं की जा सकती, क्योंकि यह मार्ग उसके लिए लाभकारी साबित रहा है। इसलिए आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल इस बार यह पूरा विश्वास है कि इस बार भी बाजी उन्हीं के हाथ लगेगी।

वर्तमान में दिल्ली राज्य के लिए हो रहे चुनाव प्रचार में राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से जो स्वर मुखरित हो रहे हैं, उन स्वरों में केवल रेबड़ी की ध्वनि ही गुंजायमान हो रही है। ऐसा लगता है कि अब दिल्ली की जनता रेबड़ी लूटने की आदी हो चुकी है। इसका राजनीतिक आशय यह भी निकाला जा सकता है कि अपना नायक चुनने के लिए किसकी रेबड़ी स्वार्थ की पूर्ति करने वाली है, यह ही देखा जाएगा इस कवायद को लालच देकर वोट प्राप्त करने का एक माध्यम भी माना जा सकता है, क्योंकि जनता को मुफ्त में खजाना लुटाना किसी भी प्रकार से न्याय संगत नहीं माना जा सकता। क्योंकि इसका बोझ उस समाज पर आता है, जो योजना का लाभ लेने के पात्र नहीं होते हालांकि सरकार द्वारा आम जनता का ध्यान रखन चाहिए, लेकिन इसके लिए मुफ्त की योजना के अलावा अन्य तरीके अपनाए जाएं तो बेहतर होगा नहीं तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है कि यहं योजनाएं विकास की योजनाएं न होकर विनाशकारं मार्ग तैयार कर सकती हैं।

दिल्ली में एक दशक पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच ही चुनावी लड़ाई होती रही थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार के विरोध में एक धूमकेतु की तरह अरविन्द केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी का गठन कर दिया और लोक लुभावने वादे करके आम जनत का छप्पर फाड़ समर्थन प्राप्त करके दिल्ली के सिंहासन को अपने कब्जे में ले लिया। इस चुनाव मे बहुकोणीय मुकाबला होने की झलक दिखाई दे रहं है। आम आदमी पार्टी ने गठबंधन को धता बताकर अपने आपको फिर से मैदान में उतारा है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी परेशानी यह है कि उसके नेत अरविन्द केजरीवाल पर भ्रष्टाचार करने का आरोप है साथ ही ऐसा कहना भी समुचित ही होगा कि केजरीवाल की कथनी और करनी में जमीन आसमान का अंतर है। एक समय सुविधाओं को त्याग कर राजनीति करने की कसम खाने वाले केजरीवाल की जीवनशैली सुविधामय होती दिखाई दे रही है। शीशमहल के नाम से भाजपा द्वारा प्रचारित किए गए उनके आवास में लकजरी सुविधाएं हैं। जो उनके कथन से कतई सरोकार नहीं रखती। ऐसे में यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि इस बार केजरीवाल की राह उतनी आसान नहीं कही जा सकती, जो पहले थी। दूसरी बड़ी बात यह भी है कि इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी के समक्ष गंभीर चुनौतियाँ भी हैं। केजरीवाल जमानत पर बाहर हैं। वे दोष मुक्त नहीं हुए। उनका मुख्यमंत्री कार्यालय जाने पर प्रतिबन्ध उसी समय लगा दिया है, जब वे मुख्यमंत्री थे, ऐसी स्थिति में केजरीवाल फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री बनेंगे, इसकी गुंजाइस भी नहीं है।

आम आदमी पार्टी के समक्ष एक बड़ी चुनौती यह भी है कि इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा के अलावा बहुजन समाज पार्टी और औवेसी की पार्टी भी मैदान में है। यह दोनों राजनीतिक दल जितने प्रभावी होंगे, उसका खामियाजा आप आदमी पार्टी को ही होगा। एक गणित यह भी है कि पिछले चुनाव में अंदरूनी तौर पर कांग्रेस पार्टी का समर्थन आम आदमी पार्टी को मिला था, लेकिन इस बार पूरी गंभीरता के साथ कांग्रेस चुनावी मैदान में है। कांग्रेस और भाजपा दोनों ने केजरीवाल के समक्ष वजनदार प्रत्याशी उतार कर यह संदेश तो दिया ही है कि इस बार केजरीवाल की पार्टी आसानी से विजय प्राप्त नहीं करेगी। क्योंकि बसपा और औवेसी के आने से केजरीवाल की पार्टी को मुस्लिम और दलित मतों की प्राप्ति में कमी हो सकती है और कांग्रेस का मूल वोटर इस बार कांग्रेस को ही वोट देगा।

आम आदमी पार्टी के साथ यह विसंगति जुड़ती जा रही है कि वह गठबंधन का हिस्सा केवल उन राज्यों में है, जहाँ आम आदमी पार्टी का अस्तित्व नहीं है।

जहाँ केजरीवाल की पार्टी का अस्तित्व है, वहां गठबंधन के मायने बदल जाते हैं। इसका तात्पर्य यही है कि केजरीवाल स्वार्थ सिद्धि के लिए ही गठबंधन करते हैं। यह बात सही है कि केजरीवाल को अब राजनीति की समझ आ गई है। वे एक चतुर राजनीतिक नेता की तरह चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन विपक्ष की एकता के सपने को चकनाचूर कर रहे हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषक गठबंधन में दरार आने का ठीकरा कांग्रेस पर फोड़ रहे हैं। कुल मिलाकर यह कहना उचित होगा कि गठबंधन अब बिखरने की ओर है। खैरङ्ख मूल विषय रेबड़ी का है। मुफ्त की रेबड़ी बांटना निश्चित ही इस बात की ओर संकेत करता है कि आज राजनीतिक दलों ने आम जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता खोई है, इसीलिए चुनाव जीतने के जनता को प्रलोभन देकर वोट कबाड़ने की राजनीति की जा रही है। अब देखना यह है दिल्ली का सिंहासन किसका इंतजार कर रहा है। फिलहाल यही समझा जा रहा है कि मुख्य मुकाबला भाजपा और आदमी पार्टी के बीच है। प्रचार के लिए भाजपा के पास नेताओं की भारी भरकम फौज है तो आम आदमी पार्टी के पास केवल केजरीवाल ही हैं। चुनावी प्रचार के माध्यम से भाजपा अपनी बात को नीचे तक पहुंचाने का प्रयास करेगी और इसका प्रभाव भी हो सकता है। लेकिन फिर वही बातङ्ख क्या रेबड़ी के सहारे ही इस बार भी दिल्ली की सरकार बनेगी।

चिंतन-मनन

जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है

जीवन में सम्पूर्ण आत्म निर्भरता जैसा कुछ नहीं है। इसे भूल जाओ। यदि आप सोचते हो कि मैं पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो जाऊं तो ऐसा नहीं होगा। 15, 16 या 17 साल की आयु तक आप आत्मनिर्भर नहीं थे। आप आश्रित ही पैदा हुए थे। आप अपने आप उठ भी नहीं सकते थे, और कोई और आपको उठाता था। कोई आपके डायपर बदलता था। कोई आपको नहलाता था। कोई खिलाता था। कोई सुलाता था। आप एक आश्रित ही पैदा हुए थे और अंत में भी आश्रित ही रहोगे। जब आपकी मृत्यु हो जाती है तो आप अपने शरीर को अपने आप नहीं जला या दफना सकते। जब आप बीमार होते हो किसी को आपका ध्यान रखना होता है। आप अपने डाक्टर नहीं बन सकते। 50-60 वर्ष की आयु के बाद यह बिलकुल स्पष्ट हो जाता है कि आप किसी पर निभर होते हो।

किसी हद तक आप नहीं कह सकते कि, मैं पूरी तरह से आत्म निर्भर हूँ। आपको किसी ना किसी की सहायता लेनी ही पड़ती है। अच्छा, फिर यह भी धारणा है कि आप पैसे से आत्मनिर्भर बनते हो। हमें अपनी जरुरत पूरा करने के लिए कुछ पैसा चाहिए, पर मान लो कोई भी आपके लिए कार्य करना न चाहे, तो आपका क्या होगा? आपकी धारणा गलत है कि पैसा आपको आत्मनिर्भर बनाता है। पर इसके साथ साथ आप अपने आप को आत्मनिर्भर मान सकते हो, आप अपने कार्यों के लिए स्वतंत्र हो, आप अपनी भावनायों को नियंत्रित करने के लिए मुक्त हो, यदि आप अच्छा महसूस करना चाहते हो तो यह आपके अपने हाथ में हैं। यदि आप अच्छा महसूस नहीं करना चाहते तो यह भी आपके अपने हाथों में हैं।

आपको अष्टवप्र गीता सुननी चाहिए। जीवन निर्भरता और आत्म -निर्भरता का संयोग है। यदि आप दयालु होना चाहते हो, तो आपको पूरी स्वतंत्रता है ऐसा बनने की। यदि आप चाहते हो आपका शिष्टाचार अच्छा हो,आप मीठे बोल बोलो तो यह पूर्ण रूप से आपके उपर निर्भर करता है। आप सोच सकते हो वित्तीय रूप से आप स्वतंत्र हो परन्तु मैं आपको बता देना चाहूँगा यदि आप अपने मित्रों, परिवारजनों यां और भी किसी के अपमानजनक शब्द सहन कर लेते हो तो आप स्वतंत्र हो। यदि आपको कोई दोष देता है और आपके लिए बुरा भला कहता है, आप इसे किस तरह से लेते हो यही निर्धारित करता है कि आप कितने स्वतंत्र हो। यदि आप वास्तव में मुक्त हो तो कोई भी आपको परेशान

फर्जी कॉलेजः कब तलक फंसते रहेंगे छात्र-परिजन

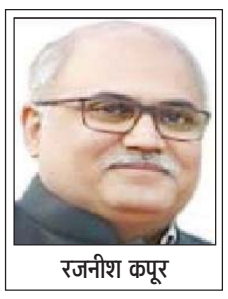

रजनीश कपूर

देश में सूचना क्रांति, उदारीकरण और उपभोक्ता संस्कृति तीनों ने मिलकर गांव और कस्बों के नौजवानों के मन में कुछ नया सीखने और व्यावसायिक जगत में आगे बढ़ने की ललक पैदा कर दी है। उनकी इस ललक को बढ़ाने का काम कर रहे हैं देश भर में कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हजारों देसी व विदेशी उच्च शिक्षा संस्थान। इनकी दुकान जितनी ऊंची है, उतनी फीकी भी। यह किसी से छिपा नहीं है कि देश के बहुसंख्यक विद्यार्थियों को शिक्षा का सही वातावरण तक नहीं मिलता। शिक्षा के नाम पर खानापूर्ति ही ज्यादा होती है। ऐसे में कमजोर नींव पर खड़े इन नौजवानों को यह शिक्षा संस्थान सपने दिखाकर, झूठे वायदे करके और भ्रामक सूचनाएं देकर आकर्षित कर लेते हैं।

इनके जाल में फंसने वाले नहीं जानते कि जिन फर्जी सर्टिफिकेट या डिग्रियों को बांटकर यह लोग सुनहरे भविष्य के सपने दिखा रहे हैं, उन्हें लेकर वे सिर्फ धक्के ही खाएंगे। इनकी बदौलत कोई ढंग की नौकरी मिलना मुश्किल नहीं तो आसान भी नहीं है। अगर एमबीए करके कपड़े की दुकान पर पंद्रह सौ रुपये महीने की सेल्समैनिशप मिली, तो कौन सा तीर मार लिया। इतना ही नहीं, प्रोफेशनल कोर्स की पढ़ाई से आने वाला आत्मविश्वास भी यह डिग्रियां नहीं दे पातीं। गौरतलब है कि गरीब घर से आए ये छात्र अपनी जमीन जायदाद को बेच कर या गिरवी रख कर इन संस्थानों में लाखों रुपये देकर पढ़ने आते हैं। इन छात्रों के मन में हमेशा एक डर सा बना रहता है कि कहीं ऐसा न हो कि पढ़कर भी नौकरी न मिले। यदि सर्वेक्षण किया जाए तो यह बात सिद्ध भी हो जाएगी कि लाखों रुपये लेकर दाखिला देने वाले इन इंजीनियरिंग, मेडिकल या मैनेजमेंट कॉलेजों के ज्यादातर छात्रों को बरसों तक माकूल रोजगार नहीं मिलता। यह तो उन लोगों की बात है जो जानते-बूझते हुए ऐसी डिग्रियां लेते हैं, लेकिन भारत में बहुत से ऐसे भी शिक्षण संस्थान भी हैं, जो असली होने का दावा करते हुए लाखों लोगों को सर्टिफिकेट और डिग्रिया बांट चुके हैं जबकि हैं ये पूरे फर्जी। इनके काम करने के तौर तरीके देखकर कोई भी इन्हें असली मान लेता है। पर वास्तव में यह असली नहीं होते विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 22 के मुताबिक, डिग्री प्रदान करने का अधिकार केवल उन्हीं विश्वविद्यालयों को है जो केंद्र अथवा राज्य के कानूनों के तहत स्थापित किए गए हों या यूजीसी अधिनियम की धारा 3 के तहत यूनिवर्सिटी की मान्यता प्राप्त हो अथवा संसद द्वारा विशेष रूप से किसी संस्थान को डिग्री प्रदान करने की अनुमति दी गई हो। इसके अलावा अन्य कोई भी विश्वविद्यालय डिग्री प्रदान नहीं कर सकता। यदि वह ऐसा करता है तो कानूनन गलत है। यूजीसी एक्ट की धारा 23 के मुताबिक केंद्र, राज्य अथवा प्रांतीय अधिनियम के अंतर्गत गठित विश्वविद्यालयों को छोड़कर किसी भी अन्य संस्थान को अपने नाम के साथ यूनिवर्सिटी या विश्वविद्यालय शब्द प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। स्थानीय सरकारें सब जानते हुए भी खामोश बैठी रहती हैं। कारण साफ है। प्रायः इन कॉलेजों के संस्थापक या प्रबंधक क्षेत्र या प्रांत के प्रतिष्ठित राजनेता होते हैं, जिनकी रुचि शिक्षा के प्रसार में नहीं बल्कि बेरोजगारों की मजबूरी का फायदा उठाकर मोटी कमाई करने में होती है। प्रायः फर्जी विश्वविद्यालयों तथा जाली डिग्रियों को बांटने से रोकने के लिए संसदीय समिति द्वारा कुछ सुझाव जाते हैं, जैसे यूजीसी या शिक्षा विभाग जाली विश्वविद्यालयों व संस्थानों की एक सूची बनाए, यूजीसी तथा शिक्षा विभाग अखबारों में छपने वाले फर्जी विश्वविद्यालयों के विज्ञापनों के बारे में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया तथा एडीटर्स गिल्स को अवगत कराकर अखबारों में ऐसे विज्ञापनों को प्रतिबंधित करवाए, यूजीसी को दोषी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करने के ज्यादा अधिकार दिए जाएं आदि-आदि। पर ऐसी कितनी सूचनाएं हैं जो हम तक पहुंचती हैं? कई बार तो बहुत से विश्वविद्यालय, कॉलेज अथवा स्कूल अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन देकर कहते हैं कि उनकी डिग्रियां फलाने संस्थान से मान्यता प्राप्त हैं, फलाने संस्थान से संबद्ध है। कई तो कुछ कदम आगे बढ़कर जाली नाम वाली विदेशी संस्थाओं से भी अपनी संबद्धता दिखा देते हैं।

यह सही है कि इन निजी संस्थाओं में छात्रों को

सुविधाएं अधिक दी जाती हैं, परंतु सही और वैधानिक संस्थाओं की आड़ में कुछ नकली संस्थाएं भी छात्रों का शोषण करती हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। कुछ मामलों में तो देश के नामी विश्वविद्यालयों के उच्च पदस्थ अधिकारी भी इन संस्थाओं के कामकाज में शामिल पाए गए। यूजीसी और अन्य रेग्यूलेटरी अथारिटी, एडवर्टाइजमेंट स्टेंडर्डस काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई), इंडियन न्यूजपेपर्स सोसायटी तथा मोनोपोलीज एंड रेस्ट्रिक्टिव ट्रेड प्रेक्टिसेज कमीशन को एकसाथ मिलकर एक ऐसी प्रक्रिया तैयार करनी चाहिए, जिनसे ऐसे धोखेबाज विज्ञापनों पर रोक लग सके।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ 09 पटना झ 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बिग बॉस 18 फिनाले से बिना शूट किए निकलने पर बोले अक्षय

अक्षय कुमार ने उन खबरों पर चुप्पी तोड़ी है, जिनमें कहा जा रहा था कि वे सलमान खान के देर से आने के कारण बिग बॉस 18 के सेट से बिना शूटिंग किए वापस चले गए थे। अक्षय कुमार ने स्पष्ट किया कि उनके पास पहले से ही कुछ जरूरी कमिटमेंट्स थे, जिसकी वजह से उन्हें जाना पड़ा था। हाल ही में दिल्ली में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब अक्षय से पूछा गया कि क्या सलमान की देर से आने के कारण उन्हें सेट से बिना शूट किए जाना पड़ा था, तो उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा, मैं समय पर वहां पहुंच चुका था, लेकिन सलमान थोड़े देर से पहुंचे। उन्हें कुछ पर्सनल काम था, इसलिए उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें करीब 40 मिनट की देरी होगी। लेकिन मुझे वहां से जाना पड़ा, क्योंकि मेरे पास पहले से कुछ कमिटमेंट्स थे। हमने इस बारे में बात की और मैं सेट से निकल गया, लेकिन वीर वहीं थे और उन्होंने सलमान के साथ शूट किया था। हालांकि, सलमान खान ने भी फिनाले एपिसोड में बताया था कि अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग फिल्म स्काई फोर्स का प्रमोशन करने वीर पहाड़िया के साथ आने वाले थे। लेकिन वह थोड़ा लेट हो गए थे और अक्षय कुमार को किसी फंक्शन के लिए जाना था, इसलिए वो चले गए थे। फिल्म स्काई फोर्स में नजर आएंगे अक्षय कुमार 'स्काई फोर्स' का निर्देशन संदीप केलवानी और अभिषेक कपूर ने किया है। यह फिल्म 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की असली कहानी को दर्शाती है। फिल्म में अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया के अलावा सारा अली खान और निम्रत कौर भी हैं। अक्षय कुमार का किरदार विंग कमांडर ओपी तनेजा से प्रेरित है, जबकि वीर पहाड़िया दिवंगत स्क्वाड्रन लीडर अमजद बी देवैया के रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं, सारा अली खान उनकी पत्नी की भूमिका में हैं।

अब टीवी-फिल्म एक्टर रोनित रॉय करेंगे सैफ अली खान की सुरक्षा

16 जनवरी को बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर एक व्यक्ति ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया, यह व्यक्ति चोरी के इरादे से एक्टर के घर में आया था। हमले में सैफ अली खान को कई चोटें आईं। लीलावती हॉस्पिटल में उनकी सर्जरी हुई। हमले के पांच दिन बाद यानी मंगलवार को सैफ को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई है। सैफ अली खान पर हमला करने वाले व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ लिया है। लेकिन अब सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी एक्टर रोनित रॉय पर है।

रोनित रॉय लेंगे सुरक्षा की जिम्मेदारी

टीवी और फिल्मों में एक अलग पहचान रखने वाले कलाकार रोनित रॉय को हाल ही में एक्टर सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली है। एक्टर रोनित रॉय को, सैफ अली खान के आसपास लीलावती हॉस्पिटल और उनके घर में देखा गया। असल में एक्टिंग करने के अलावा रोनित रॉय एक सिक्योरिटी एजेंसी के मालिक भी हैं, वह लगभग कई सालों से इस एजेंसी को चला रहे हैं। यही कारण है कि रोनित रॉय की सिक्योरिटी एजेंसी को एक्टर सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। अमिताभ बच्चन को भी देते हैं सुरक्षा सैफ अली खान को ही रोनित रॉय सिक्योरिटी नहीं दे रहे हैं। उनकी सिक्योरिटी एजेंसी अमिताभ बच्चन के अलावा कई और नामी बॉलीवुड एक्टर्स को सुरक्षा देती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोनित रॉय की सिक्योरिटी एजेंसी जिन कलाकारों को सिक्योरिटी देती है, उसमें आमिर खान, सलमान खान, शाहरुख खान का नाम भी शामिल है।

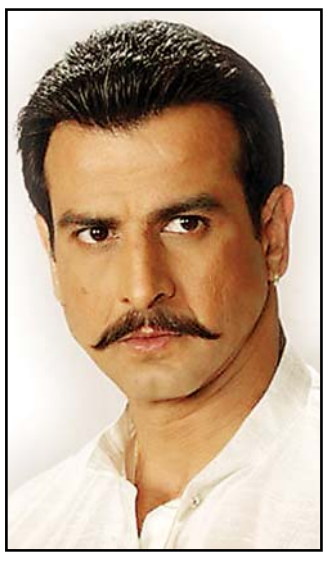

नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ करियर, हमेशा आइटम गर्ल समझा गया

हाल ही में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'सत्या' री-रिलीज हुई है। इस मौके पर एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने रामू के साथ लड़ाई की खबरों को महज अफवाह बताया। एक्ट्रेस ने कहा कि उनका करियर रामगोपाल वर्मा के कारण नहीं, बल्कि नेपोटिज्म के कारण बर्बाद हुआ। उन्हें हमेशा ही आइटम गर्ल या फिर सेक्स साइरन के रूप में देखा गया। उर्मिला ने राम गोपाल वर्मा के साथ सत्या, जंगल, रंगीला और भूत जैसी फिल्मों में काम किया है। रंगीला बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही और इस फिल्म ने उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में 'रंगीला गर्ल' के तौर स्थापित कर दिया। इंडस्ट्री में ऐसी अफवाह थी कि एक्ट्रेस का रामू के साथ अफेयर चल रहा है जिस वजह से वो उनकी हर फिल्म में होती हैं। हालांकि, एक समय पर दोनों के बीच लड़ाई की खबरें आने लगीं। उर्मिला मातोंडकर ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि कई बेहतरीन फिल्में करने के बाद भी 90 के दशक में मीडिया सिर्फ उनके लुक और उनकी निजी जिंदगी के बारे में बात करती थी। लोगों को उनकी एक्टिंग के बजाय उनकी जिंदगी के हर पहलु में दिलचस्पी रहती थी। पिंजर, कौन, एक हसीना थी जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में काम करने के बावजूद भी उर्मिला मातोंडकर को बॉलीवुड में सिर्फ एक आइटम गर्ल ही समझा गया। उर्मिला कहती हैं- इंडस्ट्री में सिर्फ एक आइटम गर्ल और सेक्स साइरन के तौर पर देखा जाता था। मैं इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखती थी, जिसका मुझे खामियाजा उठाना पड़ा था। सत्या की री-रिलीज के मौके पर उर्मिला मातोंडकर ने एक बार फिर डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा और एक्टर मनोज बाजपेयी के साथ काम करने की इच्छा जताई है।

आपत्तिजनक अफवाहों पर भड़कीं तब्बू

एक्ट्रेस तब्बू ने अपने खिलाफ फैलाए गए आपत्तिजनक अफवाहों पर गुस्सा जाहिर किया है, जिसमें कहा गया था कि मुझे शादी में दिलचस्पी नहीं है, बल्कि मुझे सिर्फ अपने बिस्तर पर मर्द चाहिए। तब्बू की टीम ने ऐसी खबरों को प्रसारित करने वाले मीडिया हाउस को फटकार लगाई है। इस मामले में तब्बू की टीम ने एक सार्वजनिक बयान जारी किया है। जिसमें उन मीडिया रिपोर्ट्स की आलोचना की है, जिनमें शादी के बारे में एक्ट्रेस के विचार पब्लिश किए थे। तब्बू की टीम ने अपनी इस हरकत के लिए मीडिया हाउस से औपचारिक रूप से माफी मांगने को कहा है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक तब्बू की टीम ने बयान में कहा- कुछ वेबसाइट और सोशल मीडिया ने तब्बू के बयान को गलत तरीके से पब्लिश किया है। इससे पाठकों को गुमराह किया जा रहा है। हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि एक्ट्रेस ने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा है। बता दें कि एक वेबसाइट ने एक्ट्रेस के बारे में एक न्यूज पब्लिश की थी। जिसमें यह दावा किया था कि तब्बू ने कहा मैं शादी में दिलचस्पी नहीं रखती है और केवल एक मर्द चाहती हूं जिसके साथ मैं बिस्तर पर सो सकूं।

जन्नत जुबैर कर दिया ये कारनामा, इस मामले में शाहरुख खान को पछाड़ा

बॉलीवुड के किंग कहे जाने वाले अभिनेता शाहरुख खान भारत से लेकर विदेशों तक लाखों-करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके चाहने वालों की बहुत बड़ी तादाद है, लेकिन अभिनेता को 23 साल की अभिनेत्री और सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर ने इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में पीछे छोड़ दिया है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जन्नत जुबैर ने इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को पीछे छोड़ते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जन्नत जुबैर की बढ़ती लोकप्रियता डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव को दिखाती है।

शाहिद कपूर की देवा के शूट हुए मल्टीपल क्लाइमैक्स टीम को भी नहीं पता कहानी का सही अंत

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर अपनी आगामी फिल्म में पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाने जा रहे हैं। अभिनेता ने फिल्म के लिए कई क्लाइमेक्स सीन शूट किए हैं। हालांकि, उनमें से केवल एक ही फाइनल कट में शामिल हुआ है। फिल्म की कहानी का अंत कैसा होगा इस बारे में टीम मेंम्बर्स को भी नहीं पता है।

देवा के कई क्लाइमेक्स शूट हो रहे

फिल्म के लिए कई क्लाइमेक्स सीन शूट किए गए थे और यहां तक कि कास्ट और क्रू को भी नहीं पता कि कौन सा वर्जन फाइनल कट में शामिल हुआ है। सूत्रों ने कहा, निर्माताओं ने क्लाइमेक्स को पूरी तरह से गुप्त रखा है, जिससे हर कोई अनुमान लगा रहा है। यह गोपनीयता न केवल दर्शकों के लिए बल्कि टीम के लिए भी रहस्य की एक अतिरिक्त परत सुनिश्चित करती है।

देवा का ट्रेलर हुआ रिलीज

देवा का ट्रेलर कुछ दिनों पहले ही रिलीज हुआ। इसमें अभिनेता ने फिल्म में एक गुस्सैल, युवा पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है और उन्हें कुछ गंभीर मुक्के और प्रभावशाली बंदूक-तान वाले दृश्य देते हुए देखा जा सकता है।

ऐसा है फिल्म का ट्रेलर

शाहिद कपूर पूरे ट्रेलर में धमाकेदार एक्शन और अपने इंटेंस लुक के साथ नजर आए। अभिनेता पूरे ट्रेलर में छाए रहें। वह शहर से गुंडों का सफाया करते दिख रहे हैं। ट्रेलर में गुंडों और देवा के बीच जबरदस्त संघर्ष दिखा है, जो फैंस की उत्सुकता को बढ़ाने वाला है। पुलिसवाले के किरदार में अभिनेता काफी जंच रहे हैं। वहीं, लंबे समय के बाद वह किसी एक्शन फिल्म में दिखे हैं। अभिनेता को 'आई एम माफियाज' डायलॉग बोलते हुए सुना जा सकता है।

ऐसी है स्टार कास्ट

'देवा' के स्टार कास्ट की बात की जाए तो फिल्म में शाहिद के अलावा देवी की मुख्य भूमिका में पूजा हेगड़े हैं और उनके साथ पावेल गुलाटी, प्रवेश राणा और कुबरा सैत भी शामिल हैं। फिल्म 31 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। शाहिद के फैंस लंबे समय से उन्हें एक्शन अवतार में देखना चाहते थे।

राम गोपाल वर्मा ने किया नई फिल्म सिंडिकेट का एलान

फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा ने अपनी आगामी फिल्म सिंडिकेट के बारे में जानकारी साझा की है, जो कि उनका अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी और डरावना काम होने का वादा करती है। राम गोपाल वर्मा के अनुसार, यह फिल्म एक भयानक आपराधिक संगठन के उदय को दर्शाने के लिए तैयार है, जो भारत के अस्तित्व को खतरे में डालता है।

नई फिल्म का खुलासा

एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में राम गोपाल वर्मा ने सिंडिकेट के पीछे की छिपी अपनी सोच के बारे में बात की। यह देखते हुए कि सड़क गिरोह अतीत में भारत में एक बड़ा खतरा थे, आज असली खतरा राजनीतिक ताकतों, कानून प्रवर्तन, अति-धनी व्यापारियों और यहां तक कि सैन्य कर्मियों सहित विभिन्न गुटों से मिलकर एक शक्तिशाली सिंडिकेट के गठन में है।

आपराधिक संगठन का गिरोह

राम गोपाली वर्मा ने कहा कि सिंडिकेट सुपरनैचरल हॉरर फिल्म नहीं है, बल्कि मानव की भयावह क्षमता को दिखाएगी। फिल्म निर्माता ने इस बात का खुलासा किया कि फिल्म अपराध और आतंक की प्रकृति को उजागर करेगी, यह दर्शाती है कि कैसे आपराधिक संगठन समय के साथ और भी अधिक घातक रूप में विकसित होते हैं। उन्होंने कहा, अपराध और आतंक कभी नहीं मरते। वे अधिक घातक रूपों में वापस आते रहते हैं।

सत्या जैसी फिल्में बनाना चाहते राम गोपाल वर्मा

इससे पहले राम गोपाल वर्मा ने खुलासा किया कि 27 साल बाद फिर से सत्या देखने पर वह बहुत भावुक हो गए, क्योंकि उन्होंने इस बात पर विचार किया कि कैसे सत्या और रंगीला जैसी फिल्मों की सफलता ने उन्हें भटका दिया, जिससे उनका रचनात्मक ध्यान भटक गया। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अपनी सफलता के नशे में चूर हो गए और उन मूल सिद्धांतों को भूल गए, जिन्होंने उन्हें शुरू में यादगार फिल्में बनाने के लिए प्रेरित किया था।

छावा में महारानी येसूबाई बनीं हैं रश्मिका मंदाना

विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना स्टारर अपकमिंग फिल्म 'छावा' से अभिनेत्री का फर्स्ट लुक निर्माताओं ने रिलीज कर दिया है। पोस्टर में अभिनेत्री मराठा साम्राज्य की महारानी येसूबाई की भूमिका में हैं। मैडॉक फिल्म्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रश्मिका मंदाना के फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर महान राजा के पीछे ताकत से भरी रानी खड़ी होती है। महारानी येसूबाई के रूप में रश्मिका मंदाना का परिचय, स्वराज्य का गौरव है। पोस्टर में अभिनेत्री शाही अंदाज में दिखीं। लाल साड़ी, सोने के गहने, हरी चूड़ियों के साथ वह मराठी बिंदी में नजर आईं। पोस्टर को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर भी शेयर किया और बताया कि छावा का ट्रेलर बुधवार को रिलीज होगा। शिवाजी सावंत के मराठी उपन्यास 'छावा' पर बनी फिल्म में विक्की कौशल मराठा राजा छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी फिल्म में अक्षय खन्ना अहम भूमिका में दिखाई देंगे। आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता, नील भूपालम, संतोष जुवेकर और प्रदीप रावत भी अहम भूमिकाओं में हैं। विक्की और रश्मिका स्टारर छावा 14 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मैडॉक फिल्म्स ने छावा का निर्माण किया है। संगीत ए.आर. रहमान ने दिया है। सिनेमैटोग्राफी सौरभ गोस्वामी की है, जबकि मनीष प्रधान ने संपादन का काम संभाला है। रश्मिका मंदाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री के पास सलमान खान स्टारर सिकंदर है, जिसका निर्देशन ए.आर. मुरुगादॉस ने किया है।

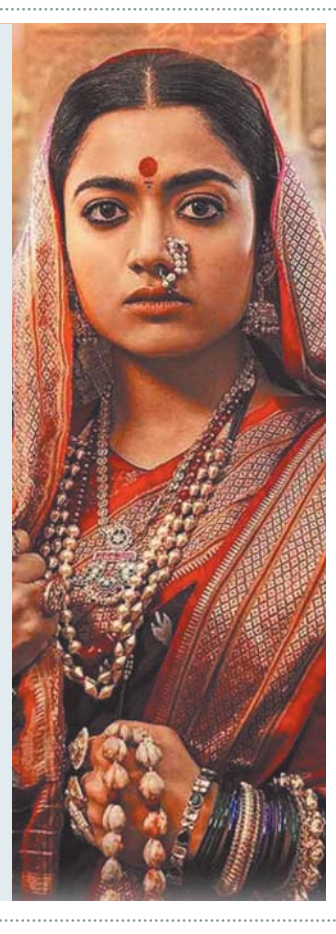

भारतीय टीम दूसरे टी20 में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी

कोलकाता (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भी अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले टी20 में अभिषेक शर्मा की शानदार बल्लेबाजी और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी से जीत हासिल की थी। इससे वह पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। अब अभिषेक इस मैच में भी बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। वहीं इस मैच में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अवसर मिलना भी तय माना जा रहा है। शमी पहले मैच में शामिल नहीं किये गये थे। भारतीय टीम निश्चित तौर पर शमी को मैदान पर उतारना चाहेगी हालांकि यह सब कुछ उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। शमी को अंतिम ग्याहर में जगह मिली तो स्पिनर रवि बिश्नोई को आराम दिया जा सकता है। बिश्नोई ने पहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 4 ओवर फेंके थे. इस दौरान 22 रन दिए थे. लेकिन एक भी विकेट नहीं ले पाए थे.

ईडन गार्डंस की पिच से तेज और स्पिन गेंदबाजों को पर्याप्त मदद मिल रही थी पर चेपक स्टेडियम की पिच से स्पिनरों को और अधिक सहायता मिलने की संभावना है। ऐसे हालातों में वरुण चक्रवर्ती के अलावा उप कप्तान अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को भी अंतिम ग्याहर में जगह मिलन तय माना जा रहा है। दूसरी ओर इंग्लैंड की तरफ से अनुभवी स्पिनर आदिल रशीद और लियम लिविंगस्टोन भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने का प्रयास करेंगे।

अभिषेक और सैमसन ने पहले मैच में भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और इस बार भी दोनों एक बार फिर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने के इरादे से उतरेंगे। सैमसन पहले मैच में लंबी पारी नहीं खेल पाए थे पर अभिषेक ने 34 गेंद पर 79 रनों की आक्रामक पारी खेल थी। सैमसन का लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान सूर्यकुमार यादव के अलाव नितीश रेड्डी और तिलक वर्मा पर आधारित रहेगी।

दूसरी ओर इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने कहा कि उनकी टीम को सीरीज में वापसी करने के लिए आक्रामक खेल खेलते हुए भारतीयच टीम पर दबाव बनाये रखना होगा। ब्रूक ने दूसरे टी20 से पहले कहा, 'हम बिलकुल भी दबाव में नहीं हैं। भारत एक बहुत अच्छी टीम है इसलिए हम जानते थे कि वे हमें कड़ी टक्कर देंगे और हां, उन्होंने शानदार खेल दिखाया। हमें बस दबाव बनाए रखने की जरूरत है, वही संदेश जो कोच ब्रेंडन मैकुलम) हर समय देते रहे हैं। वहीं कप्तान जोस बटलर ने इससे पहले कहा था कि उनकी टीम को भारतीय हालातों में स्पिनरों का सामना करने के लिए नये तरीके तलाशने होंगे। ईडन गार्डन्स में जीत के बाद भारतीय टीम पांच मैच की सीरीज में अभी 1-0 से आगे चल रही है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेट कीपर), तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती

इंग्लैंड : जोस बटलर (कप्तान), फिल साल्ट (विकेट कीपर), बेन डकेट, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, मार्क वुड।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन : नोवाक जोकोविच चोटिल, पहला सेट हारने के बाद सेमीफाइनल से हटे

मेलबर्न (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच चोटिल होने के कारण शुक्रवार को यहां अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल का पहला सेट हारने के बाद मैच से हट गए।

जोकोविच ने पहला सेट टाईब्रेकर में 7-6 (5) से गंवा दिया था। इसके बाद उन्होंने नेट के चारों ओर चक्कर लगाया और मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह से ज्वेरेव फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। कार्लोस अल्कराज के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान जोकोविच की पांव की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। उन्होंने प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और उसके बाद कोर्ट से बाहर चले गए।

जोकोविच ने बाद में संवाददाता सम्मेलन में अपने पैर में दर्द का जिक्र करते हुए कहा, 'यह और भी बदतर होता जा रहा था। मैं अगर पहलाा सेट जीत भी लेता तब भी मेरे लिए आगे खेलना मुश्किल होता।' जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में थे। उनके और ज्वेरेव के बीच एकमात्र सेट एक घंटे 20 मिनट तक चला।

रणजी ट्रॉफी : रवींद्र जडेजा का कहर, सौराष्ट्र ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया

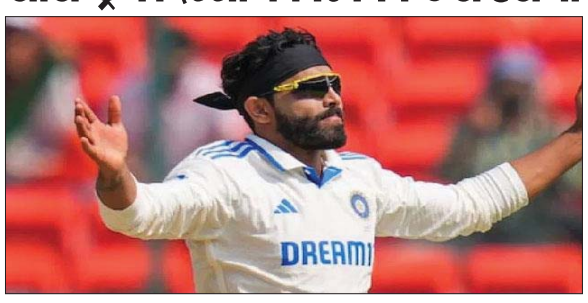

राजकोट (एजेंसी)। रवींद्र जडेजा कुल (12 विकेट) की घतक गेंदबाजी और हार्विक देसाई (93) रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी के मुकाबले में दूसरे दिन शुक्रवार को दिल्ली को 10 विकेट से हराया। सौराष्ट्र ने कल के पांच विकेट पर 163 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। प्रेरक मांकड़ (19) छठे विकेट के रूप में आज आउट होने वाले सौराष्ट्र के पहले बल्लेबाज थे। इसके बाद समर गज्जर (11), धर्मेंद्रसिंह जडेजा (शून्य), जयदेव उनादकट (छह) और आखिरी विकेट के रूप में अर्पित वसावड़ा (62) रन बनाकर आउट हुए।

सौराष्ट्र ने अपनी पहली पारी में 271 रनों का स्कोर बनाते हुए पहली पारी के आधार पर 83 रनों की बढ़त बनाई। दिल्ली के लिए हर्ष त्यागी ने चार विकेट लिए। आयुष बढोनी को तीन विकेट मिले। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को एक बार फिर रवींद्र जडेजा के कहर का सामना करना पड़ा। सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण के दिल्ली की पूरी टीम 25.2 ओवर में 94 रन पर सिमट गई। दिल्ली के लिए कप्तान आयुष बदोनी सर्वाधिक (44) रनों की पारी खेली। ऋषभ पंत (17) और अर्पित राणा (12) रन बनाकर आउट हुए।

सौराष्ट्र की ओर से रवींद्र जडेजा ने 38 रन देकर 7 विकेट लिए। धर्मेंद्रसिंह जडेजा को दो विकेट मिले। युवराजसिंह डोडिया ने एक बल्लेबाज को आउट किया। सौराष्ट्र को जीत के लिए 11 रनों का लक्ष्य मिला। सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए 3.1 ओवर में 15 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से जीत लिया। दिल्ली ने पहली पारी में 55 रन बनाए थे।

बुमराह, जडेजा और जायसवाल को आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह, अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शुक्रवार को 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की साल की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में जगह मिली। इंग्लैंड के चार खिलाड़ी भी इस टीम का हिस्सा हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया गया है। टीम में दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन सहित न्यूजीलैंड के दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

आईसीसी की इस ऑल स्टार टीम में जगह बनाने वाले कमिंस एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। बुमराह ने 2024 में शानदार प्रदर्शन किया और प्रत्येक टीम तथा प्रत्येक उस बल्लेबाज पर दबदबा बनाया जिसे उन्होंने गेंदबाजी की। वह टेस्ट क्रिकेट में 20 से कम की औसत से कम से कम 200 विकेट चटकाने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने और इतिहास में अपना नाम लिखवाया। बुमराह ने 2024 में 14.92 के औसत से 71 विकेट चटकाए और टेस्ट क्रिकेट में साल में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज रहे।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 32 विकेट चटकाए लेकिन भारत को पांच मैच की श्रृंखला में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। बुमराह ने साल की शानदार शुरुआत करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चार मैच में 19 विकेट चटकाए जिसमें विशाखापत्तम में मैच में नौ विकेट भी शामिल हैं। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ स्वदेश में दो मैच में 11 विकेट हासिल किए।

बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर सिर्फ तीन विकेट चटका पाए और भारत को 0-3 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इस तेज गेंदबाज ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। जडेजा ने 2024 में 29.27 के औसत से 527 रन बनाने के अलावा 24.29 के प्रभावी औसत से 48 विकेट भी चटकाए। जायसवाल ने स्वयं को शीर्ष टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में स्थापित किया और 2024 में भारतीय बल्लेबाजों के बीच शानदार प्रदर्शन किया।

दक्षिण अफ्रीका में चुनौतीपूर्ण श्रृंखला के बाद इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए 712 रन बनाए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में दो दोहरे शतक और तीन अर्धशतक जड़ते हुए दबदबा बनाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में चार पारियों में तीन अर्धशतक जड़े। न्यूजीलेंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में भारत को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह प्रभावी प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जायसवाल ने पर्थ में पहली पारी में खाता खोलने में नाकाम रहने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बनाकर भारत की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। वह 391 रन के साथ श्रृंखला में भारत के शीर्ष स्कोरर रहे। जायसाल ने कैलेंडर वर्ष में 54.74 के प्रभावी औसत से कुल 1478 रन बनाए। उनसे अधिक रन सिर्फ इंग्लैंड के जो रूट (2024 में 55.57 के औसत से 1556 रन) बना पाए। रूट को भी आईसीसी की ऑल स्टार टीम में जगह मिली है।

विलियमसन ने भी 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 59.58 के शानदार औसत से 1013 रन बनाए जिससे वह साल में सर्वाधिक रन बनाने वालों की सूची में छठे स्थान पर रहे। श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस ने भी 74.92 के बेहद शानदार औसत के साथ 2024 में 1049 रन बनाते हुए टीम में जगह बनाई। कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ श्रृंखला जीती। उन्होंने 2024 में 24.02 के औसत से 37 विकेट चटकाने के अलावा 23.53 के औसत से 306 रन भी बनाए।

आईसीसी की 2024 की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम: पैट कमिंस (कप्तान) (ऑस्ट्रेलिया), यशस्वी जायसवाल (भारत), बेन डकेट (इंग्लैंड), केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), जो रूट (इंग्लैंड), हैरी ब्रूक (इंग्लैंड) कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर) (इंग्लैंड), रविंद्र जडेजा (भारत), मैट हेनरी (न्यूजीलैंड) और जसप्रीत बुमराह (भारत)।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड गैडेकी-पीयर्स ने जीता मिश्रित युगल खिताब

मेलबर्न। वाइल्ड कार्ड जोड़ी ओलिविया गैडेकी और जॉन पीयर्स ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मिश्रित युगल खिताब जीता। उन्होंने हमवतन किम्बर्ली बिरेल और जॉन-पैट्रिक स्मिथ को हराकर खिताब जीता। ऑस्ट्रेलियाई वाइल्डकार्ड ने रॉड लेवर एरिना में रोमांचित प्रशंसकों के सामने एक घंटे और 24 मिनट में हमवतन बिरेल और स्मिथ पर 3-6, 6-4 (10-6) से वापसी की। गैडेकी और पीयर्स को ग्रैंड स्लैम चैंपियन लेस्ली बोरे और बिल बोरे ने ट्रॉफी प्रदान की, और यह जीत पीयर्स के लिए दूसरा ऑस्ट्रेलियाई खिताब है, जिन्होंने 2017 में हेनरी कोंटिनेन के साथ पुरुष युगल खिताब जीता था। 36 वर्षीय पीयर्स, जिन्होंने मैथ्यू एबडेन के साथ पेरिस में ओलंपिक युगल स्वर्ण जीता था, ने स्टॉर्म सैंडर्स के साथ 2022 यूएस ओपन मिश्रित युगल खिताब और हेनरी कोंटिनेन के साथ 2017 ऑस्ट्रेलियन ओपन पुरुष युगल खिताब भी जीता। गैडेकी के लिए, मेलबर्न ट्रॉफी किसी प्रमुख टूर्नामेंट में उनकी पहली ट्रॉफी है। 22 वर्षीय गैडेकी और 36 वर्षीय पीयर्स ने 25 विजयी मुकाबलों में जीत हासिल की और 2013 के बाद से पहले ऑल-ऑस्ट्रेलियाई मिश्रित युगल ऑस्ट्रेलियाई चैंपियन बन गए, जब मैट एबडेन और जर्मिला गजदोसोवा ने ताज उठाया था। टूर्नामेंट के आंकड़ों के अनुसार, वे ओपन युग में यह उपलब्धि हासिल करने वाली चौथी ऑल-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी भी हैं, इससे पहले 2005 में एबडेन और गजदोसोवा, स्कॉट ड्रेपर और सामंथा स्टोसुर और 1992 में मार्क वुडफोर्ड और निकोल प्रोविस ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

अब ईशान किशन खोलेंगे क्रिकेट एकेडमी

पटना। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाल ईशान किशन भी अब क्रिकेट एकेडमी खोलने जा रहे हैं। ईशान से पहले इरफान और यूसुफ पठान के अलावा आकाशदीप सिंह ने भी अपनी क्रिकेट एकेडमी खोली थी। ईशान के एकेडमी खोलने से बिहार के क्रिकेट प्रेमी युवाओं को लाभ होगा। इससे उन्हें भारतीय टीम में रहे खिलाड़ियों की देखरेख में क्रिकेट सीखने का मौका मिलेगा। ईशान की एकेडमी का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और उम्मीद है कि फरवरी महीने में इसका उद्घाटन कर दिया जाएगा। ईशान ने अपनी एकेडमी का नाम द ईशान किशन एकेडमी रखा है। यह राजधानी पटना के एनर्जी पार्क के पास बन रही है। अनुमान है कि 15 फरवरी से पहले इसका उद्घाटन खुद ईशान करेंगे। फिलहाल एकेडमी में एडमिशन शुरू हो चुके हैं। एकेडमी में चार सीमेंटेड पिच और चार टर्फ एरिया बनाए जा रहे हैं। अभी इनमें कुछ बदलाव हो सकते हैं। इसके अलावा, ऊर्जा स्टेडियम की पिच का उपयोग भी प्रैक्टिस और मैच के लिए किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड को छह रन से हराया

कैनबरा, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की महिला टीम के बीच एशेज का आयोजन किया जा रहा है। जहां ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने दो मैच रहते महिला एशेज के खिताब को अपने नाम कर लिया है। पुरुषों और महिलाओं के एशेज में काफी ज्यादा अंतर होता है। जहां पुरुषों के बीच एशेज के लिए टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जाता है। वहीं महिला एशेज के लिए तीन वनडे, तीन टी20 और एक टेस्ट मैच खेला जाता है। वनडे और टी20 मैच जीतने पर दो अंक और टेस्ट मैच जीतने पर चार अंक मिलते हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने अंकों के आधार पर खिताब अपने नाम कर लिया है।

ऑस्ट्रेलिया ने कैनबरा के मनुका ओवल में दूसरे टी20ढ्ढ में इंग्लैंड को छह रन (ष्ठरुस्) से हराकर महिला एशेज 2025 पर कब्जा कर लिया। एलिसा हीली की कप्तानी में मेजबान टीम ने वनडे सीरीज में इंग्लैंड को धूल चटाते हुए 3-0 से सीरीज जीत ली। ञ्20ढ्ढ में कुछ भी नहीं बदला क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में पहले मैच में आरामदायक जीत हासिल की, उसके बाद सीरीज के दूसरे गेम में भी शानदार जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इस मुकाबले को 6 रन जीता।

दोनों टीमों के बीच खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले के बारे में बात करें तो, इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने टॉस जीता और उन्होंने कीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी अच्छी लय में दिखीं, लेकिन 31 वर्षीय खिलाड़ी 31 गेंदों पर 44 रन बनाकर आउट हो गईं। कप्तान ताहलिया मैकग्राथ और ग्रेस हैरिस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 71 रनों की शानदार साझेदारी की और ऑस्ट्रेलिया को 185 रन बनाने में मदद की। मैकग्राथ ने 35 गेंदों पर नाबाद 48 रन बनाए जबकि हैरिस ने 17 गेंदों पर 35* रन बनाए। मेहमान टीम ने बल्लेबाजी में अच्छी शुरुआत की, मैया बाउचियर और डेनी वायट-हॉज ने 46 रन की ओपनिंग साझेदारी की। बाउचियर के जाने के बाद वायट-हॉज ने पारी को संभाला और 40 गेंदों पर 52 रन बनाए। हीथर नाइट इस मुकाबले में काफी शानदार फॉर्म में दिखी। वह 19 गेंदों पर 43 रन बनाकर खेल रही थी। तब ही बारिश ने मैच में खलल डाला और मैच को रोक दिया गया। उस वक्त इंग्लैंड को जीते कि लिए 5 गेंदों पर 16 रनों की जरूरत थी, लेकिन बारिश के कारण मैच फिर से शुरू नहीं हो सका और इंग्लैंड को यह मैच डीएलएस के नियमों के अनुसार 6 रनों से गंवाना पड़ा।

स्वियाटेक को हराकर मैडिसन कीज ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

मेलबर्न। अमेरिका की मैडिसन कीज ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को यहां मैच प्वाइंट का बचाव करते हुए विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज पोलैंड की इगा स्वियातेका को शिकस्त दी। विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज 29 साल की कीज ने शुरुआती सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 5-7, 6-1, 7-6 (10-8) से जीत दर्ज की। कीज के सामने शनिवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी एरिना सबालेंका की चुनौती होगी। बेलारूस की 26 साल की सबालेंका ने अपनी अच्छी सहेली और 11वीं वरीयता प्राप्त पाउला बडोसा को 6-4, 6-2 से हराकर लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन बनने की ओर कदम बढ़ाया। स्वियातेक को शिकस्त देने के बाद कीज कोर्ट पर बैठ गई और रैकेट नीचे रख अपने हाथों से सिर को पकड़ लिया। उन्होंने शायदा मैच में शानदार वापसी करने को 'काफी नाटकीय समापन' करार देते हुए कहा कि मैं अब भी यह समझने की कोशिश कर रही हूं कि मैंने यह सब कैसे किया। इस 19वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 5 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन को हराने को बड़ी सफलता करार देते हुए कहा कि मुझे ऐसा लगा जैसे मैं इसमें बने रहने के लिए संघर्ष कर रही हूं। यह बहुत ज्यादा उतार-चढाव से भरा मैच था। सबालेंका अगर इस बार भी चैंपियन बनती है तो फिर वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल में मार्टिना हिंगिस के बाद खिताबी हैट्रिक बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएगी। हिंगिस ने 1997 से 1999 तक यह कारनामा किया था। सेरेना विलियम्स भी 2015 से 2017 तक 3 बार इसके फाइनल में पहुंची है लेकिन वह 2 बार चैंपियन बनी थी। फाइनल में जगह बनाने के बाद सबालेंका ने कहा कि मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं। मुझे अपने आप पे गर्व है। मुझे अपनी टीम पर गर्व है कि हम खुद को ऐसी स्थिति में पहुंचाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि अगर मैं खुद को इतिहास (किताबों) का हिस्सा बना पाऊं, तो यह मेरे लिए बहुत मायने रखने वाला होगा।

चिराग-सात्विक, लक्ष्य की हार के साथ भारत का इंडोनेशिया मास्टर्स में अभियान समाप्त

जकार्ता, । चिराग शेट्टी-सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और लक्ष्य सेन को गुरुवार को दूसरे दौर में मिली हार के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में भारत का अभियान समाप्त हो गया। इस मैच में मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी को थाईलैंड के किटिनुपोंग केड्रेन और डेचापोल पुवारानुक्रो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 50 मिनट तक चले मुकाबले में चिराग-सात्विक को थाईलैंड की जोड़ी ने 22-20, 23-21 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में तीन और दूसरे गेम में दो गेम प्वाइंट गंवा दिए। दुनिया के 10वें नंबर के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंटा निशिमोटो के खिलाफ राउंड ऑफ 16 के मैच में एक घंटे और 13 मिनट तक संघर्ष करने के बाद हार कर बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 15वें स्थान पर मौजूद केंटा निशिमोटो ने पहला गेम जीता, जबकि लक्ष्य सेन ने दूसरा गेम जीतने के लिए अपना पूरा जोर लगा दिया। लक्ष्य सेन ने एक मैच प्वाइंट बचाकर निर्णायक गेम को टाई-ब्रेक में पहुंचा दिया, लेकिन केंटा निशिमोटो ने धैर्य बनाए रखते हुए मुकाबले को अपने नाम करने के लिए शानदार वापसी की और मैच को 21-16, 12-21, 23-21 से जीत लिया। लक्ष्य सेन का केंटा निशिमोटो के साथ यह पांचवां मुकाबला था और इस हार के बावजूद, भारतीय शटलर वर्तमान में उनसे हेड-टू-हेड मुकाबले में 3-2 से आगे हैं। राउंड 2 में सेन के बाहर होने के साथ ही इंडोनेशिया मास्टर्स में पुरुष और महिला वर्ग में भारत का एकल अभियान भी समाप्त हो गया। तनीषा क्रास्टो-ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी को राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में मलेशिया की हू पैंग रॉन-चेंग सु यिन से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड दोबारा तोड़ना और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर (कर्नाटक) (एजेंसी)। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ट्रिपल जम्प खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल महाद्वीपीय खेलों में एक बार फिर पदक जीतने को लेकर आश्वस्त हैं लेकिन उनका लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे।

तमिलनाडु का यह खिलाड़ी 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। भारत के ही एलधोस पॉल (17.03 मीटर) और अब्दुल्ला अबुबाकर (17.02 मीटर) ने इस स्पर्धा में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीता था। प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जबकि वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल करना चाहते हैं।

यहां इंस्पायर इंस्टीट्यूफ ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) में ट्रेनिंग कर रहे प्रवीण ने विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, सब कुछ। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक गंवा दिया था। मेरे पास एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक है।'

उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि मैं एशियाई खेल (आइची-नागोया 2026) में पदक जीतूंगा लेकिन मैं राष्ट्रमंडल खेलों (2026 में) में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता।' राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। तेइस साल के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'मेरा निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.37 मीटर है, यह एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है इसलिए मैं फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं। मैंने 2023 में ऐसा किया था और 2025 में फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना चाहता हूं।' प्रवीण ने कहा, 'मैं इस साल विश्व इंडोर चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप, विश्व ओपन चैंपियनशिप और फिर डाइमंड लीग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।'

प्रवीण ने 2023 में क्यूबा के हवाना में प्रुएबा डि कनफ्रोनटेसिन एथलेटिक्स मीट में 17.37 मीटर के प्रयास से स्वर्ण पदक जीतते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इस स्टार खिलाड़ी ने कहा कि परिवार के कई सदस्यों के खेलों से जुड़े होने और पढ़ाई में काफी अच्छा नहीं होने के कारण उनके लिए खेलों से जुड़ने का फैसला करना अधिक मुश्किल नहीं था। प्रवीण ने कहा, 'मेरा परिवार खेलों में रहा है, मेरे चाचा, मेरे पिताजी कबड्डी खेलते थे। मैं भी पहले कबड्डी खेलता था, फिर मेरे पिता ने कहा कि जब आपके लिए अच्छा हो तो आप व्यक्तिगत खेलों को खेल सकते हैं। टीम खेल ऐसा नहीं है कि हर व्यक्ति हर बार आपके साथ आए इसलिए व्यक्तिगत रूप से आप अपने लिए नाम बना सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'पढ़ाई में मैं काफी अच्छा नहीं था लेकिन खेल मुझे अधिक सहज लगे इसलिए मैंने इनसे जुड़ने का फैसाल किया।' प्रवीण ने कहा कि शुरुआत में सुविधाओं की कमी थी लेकिन

नतीजे हासिल करने के बाद उन्हें सुविधाएं मिलने लगीं। तमिलनाडु के थंजावुर जिले के इस खिलाड़ी ने कहा, 'नहीं, मेरे गांव में हमारे पास कोई सुविधा नहीं थी लेकिन मैं अपने राज्य और जिले में क्षेत्रीय और जिलास्तरीय प्रतियोगिताओं में जगह बना रहा था। इसके बाद सातवीं कक्षा के दौरान मुझे चेन्नई में हॉस्टल मिला, 10 या 11 साल की उम्र में, फिर मुझे सुविधाएं मिलने लगीं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी : अगले माह ही मिल पायेंगे पीसीबी को स्टेडियम

लाहौर। अगले माह 19 फरवरी से शुरु हो रहे आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी मुकाबलों के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को स्टेडियम दो सप्ताह पहले ही मिल पायेंगे। इसका कारण है कि यहां निर्माण का काम अभी पूरा नहीं हो पाया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले इन दोनों स्टेडियम को पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली त्रिकोणीय सीरीज के मैचों से परखा जाएगा कि ये सही हैं कि नहीं। अभी इस बात को लेकर भी पीबीबी को चिंता है कि क्या यह स्टेडियम चैंपियंस ट्रॉफी तक पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे और उनमें जोड़ी गई नई सुविधाओं की जांच परख करने के लिए पर्याप्त समय होगा या नहीं। कराची के नेशनल स्टेडियम के महा प्रबंधक अरशद खान ने कहा कि नवीनीकरण का कार्य जनवरी के आखिर तक पूरा हो जाएगा और पांच फरवरी को इसे पीसीबी को सौंप दिया जाएगा। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की भी यही स्थिति है। पीसीबी ने इन दोनों स्टेडियम और रावलपिंडी स्टेडियम के नवीनीकरण पर 12 अरब पाकिस्तानी रुपए खर्च किए हैं। कराची के नेशनल स्टेडियम में काफी बदलाव किए गए हैं। इसमें एक पांच मंजिला इमारत तैयार होने के करीब है।

देशभर में कोचिंग सेंटर फिटजी की ब्रांचें बंद, अभिभावकों ने किया हंगामा... फीस वापसी की मांग

नई दिल्ली । पिछले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई जगहों पर कोचिंग सेंटर फिटजी की कई ब्रांच बंद हुई हैं। ब्रांच के अचानक बंद होने से सैकड़ों अभिभावकों में गुस्सा है, जिन्होंने फीस वापसी की मांग को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कोचिंग सेंटर की कई शाखा बंद हो गई हैं। उन्होंने कहा कि इसके पीछे का कारण ये है कि संस्थान वित्तीय संकट और लाइसेंसिंग और अग्नि सुरक्षा नियमों के उल्लंघन में फंसी है। उस पर प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। बता दें कि फिटजी के नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और भोपाल जैसे शहरों में ब्रांच बंद हुए हैं, जहां के अभिभावकों ने कई पुलिस शिकायतें दर्ज कराई हैं। वहीं, आईआईटी-दिल्ली के पास कालू सराय में कोचिंग संस्थान के नामी दक्षिण दिल्ली शाखा को टीचर्स के पलायन के कारण कुछ कक्षाएं निलंबित करने पर मजबूर होना पड़ा है। इन टीचर्स को कथित तौर पर कई महीनों से वेतन नहीं मिला था। वहीं फिटजी के एक शिक्षक ने बताया कि अधिकांश संकाय सदस्य इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि उन्हें कई महीनों से वेतन नहीं मिला है। गाजियाबाद के जिला विद्यालय निरीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने हाल ही में अपंजीकृत संस्थानों के खिलाफ उत्तर प्रदेश कोचिंग विनियमन अधिनियम 2002 के तहत शुरू किए नए अभियान का जिक्र किया था। जबकि सोशल मीडिया पर संस्थान की अब बंद हो चुकी शाखाओं और पुलिस थानों के बाहर अभिभावकों के विरोध प्रदर्शन के वीडियो की बाढ़ आ गई है। कंपनी के शीर्ष प्रबंधन और अवैतनिक संकाय सदस्यों द्वारा जारी किए गए कई वीडियो भी सामने आए हैं। ऐसा लगता है कि यह संकट 22, 23 और 24 जनवरी को जेईई मेंस के सत्र-1 में बैठने वाले छात्रों के लिए शैक्षणिक सत्र की समाप्ति के ठीक बाद शुरू हुआ है।

ओडिशा में जनवरी में मार्च जैसी गर्मी का एहसास, तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री पर पहुंचा

भुवनेश्वर । ओडिशा को जनवरी के महीने में ही भयानक गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। कोरापुट में तापमान 52 साल के शीर्ष 33.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक इसकी वजह एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम को मना रहे हैं। साथ ही आगे तापमान में और ज्यादा इजाफा होने की भविष्यवाणी की है। ओडिशा इस जनवरी में असामान्य रूप से उच्च तापमान से जूझ रहा है, जिसमें सबसे प्रमुख कोरापुट जिला है। जहां पारा 33.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम वैज्ञानिक उमाशंकर दास के अनुसार यह पिछले 52 वर्षों में दर्ज किया गया सबसे अधिक जनवरी का तापमान है। जानकारों के अनुसार ओडिशा में आमतौर पर मार्च से पहले ठंड का अनुभव होता है परंतु इस साल लोगों ने मार्च से बहुत पहले पंखों का उपयोग करना शुरू कर दिया है। ओडिशा और बंगाल की खाड़ी के तटीय क्षेत्र वर्तमान में एक एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम से प्रभावित हैं, जो क्षेत्र में नम हवाएं ला रहा है। इसकारण तापमान बढ़ रहा है। आने वाली गर्म दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के कारण ये जलवायु परिस्थितियां और बिगड़ जाती हैं, जो प्रचलित गर्मी में और योगदान देती हैं। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले तीन दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की और वृद्धि होगी, जो ओडिशा के निवासियों के लिए और अधिक परेशानी का संकेत है।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

इंफाल । मणिपुर के थौबल और इंफाल पश्चिम जिलों में अलग-अलग अभियानों के दौरान सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि थौबल के उनिंगखोंग से प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। सक्रिय सदस्यों के पास से पिस्तौल, गोला-बारूद, नकदी और अन्य सामान बरामद किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम के लांगोल टाइप-थ्री से प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

सांसद औवेसी का आरोप, 'मोदी और केजरीवाल भाई जैसे, एक सिक्के के दो पहलू

नई दिल्ली । एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच ज्यादा अंतर नहीं है और वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ओखला निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी प्रत्याशी शिफा-उर-रहमान के लिए प्रचार करते हुए उन्होंने कहा, ''मोदी और केजरीवाल भाई जैसे हैं, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दोनों आरएसएस की विचारधारा से निकले हैं, एक संघ की शाखा से और दूसरा इसकी संस्थाओं से। ओवैसी ने शाहीन बाग में पैदल मार्च भी किया और जनता से पांच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न पतंग का बटन दबाने का आग्रह किया।

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कुलगाम । 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मद्देनजर जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिसके चलते संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों को तैनात किया है। कुलगाम में सुरक्षा बलों द्वारा व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसके चलते वाहनों और लोगों की जांच की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। यह सुरक्षा इसलिए बढ़ाई गई है ताकि गणतंत्र दिवस के मौके पर कोई अप्रिय घटना न हो सके। इन उपायों का उद्देश्य इलाके में शांति बनाए रखना और गणतंत्र दिवस के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की जा रही है कि वे सुरक्षा बलों की तैयारियों में उनका साथ दें ताकि सभी सुरक्षित रहें।

मिल्कीपुर से योगी ने दिया नया नारा, ...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव पर सभी की निगाहें टिकी हैं। बीजेपी और समाजवादी पार्टी ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। शुक्रवार को बीजेपी के प्रत्याशी चंद्रभान पासवान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर में बड़ी जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी और उनके प्रत्याशी पर निशाना साधकर एक नया नारा दिया...ना जातिवाद, ना परिवारवाद, इस बार सिर्फ मोहर लगेगी राष्ट्रवाद।

वहीं, दूसरी ओर नाबालिग बच्ची से रेप के आरोपी सपा नेता मोईद खान के मुद्दे पर भी सीएम योगी ने सपा को जमकर घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार के समय जितना बड़ा माफिया होता था, उस उतना बड़ा ओहदा मिल जाता था। यही सपा सरकार की पहचान थी। सीएम की इस रैली के बाद बीजेपी के कार्यकर्ता से लेकर बड़े पदाधिकारी तक उत्साहित हैं। उन्होंने मिल्कीपुर उपचुनाव में जीत का दावा किया है।

बता दें कि सीएम योगी ने रैली से मिल्कीपुर में जातिगत समीकरण को जहां साधने की कोशिश की, वहीं दूसरी ओर पार्टी के स्थानीय नेताओं के विरोध को भी खत्म किया। मंच पर जहां एक तरफ मिल्कीपुर से पूर्व विधायक और इस बार टिकट के प्रबल दावेदार बाबा गोरखनाथ नजर आए। वहीं दूसरी ओर ब्राह्मण वोट बैंक का चेहरा कहे जाने वाले पूर्व विधायक खब्बू तिवारी भी दिखाई दिए। ब्राह्मणों की नाराजगी पर बीजेपी के पूर्व विधायक तिवारी ने कहा कि कोई नाराजगी नहीं है। बीजेपी सिर्फ विकास की राजनीति करती है। योगी जी की रैली के बाद मिल्कीपुर बीजेपी की जीत निश्चित है।

सीएम योगी ने कहा कि एक ओर महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं वहीं, दूसरी आई सपाई महाकुंभ के बारे में दुष्प्रचार कर जनता की आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ये वहीं सपा है जिसने अपनी सरकार में सरयू के जल को रामभक्तों के खून से लाल कर दिया था। ये परिवारवादी लोग जातिवाद के नाम पर समाज को तोड़ने का काम करते हैं। बीजेपी में परिवारवाद नहीं विकासवाद और राष्ट्रवाद है। इस बीच यूपी सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि शुकवार की यह रैली मिल्कीपुर की जीत को सुनिश्चित करती है। आज की उमड़ी इस जनसभा ने तय कर दिया इस कैसे इस बार जीत का बड़ा मार्जिन होने जा रहा है। जनता 2024 में जो भूल कर चुकी है वह दोहराने वाली नहीं है।

उत्तरकाशी में 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके, लोगों में दहशत

उत्तरकाशी । उत्तराखंड की देवभूमि उत्तरकाशी में शुक्रवार सुबह धरती तीन बार हिली, जिससे पहाड़ों में खौफ का माहौल बन गया। नेशनल सेंटर ऑफ सिस्मोलॉजी के अनुसार, 40 मिनट के भीतर तीन भूकंप के झटके महसूस किए गए। पहले झटके का समय सुबह 7 बजकर 42 मिनट था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई। इसके बाद सुबह 8 बजकर 19 मिनट पर दो और झटके आए, जिनकी तीव्रता 3.5 थी। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी के भटवाड़ी प्रखंड में बताया जा रहा है। यह झटके जमीन के 5 किलोमीटर अंदर थे, जिससे उत्तरकाशी और आसपास के इलाकों में तेज कंपन महसूस हुआ। हालाँकि, भूकंप के कारण किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप के बाद लोग दहशत के कारण घरों से बाहर निकल आए और काफी देर तक खुले में बैठे रहे। वरुणावत पर्वत के भूस्खलन जोन से मलबा और पत्थर गिरने की भी खबर है। आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने सभी तहसीलों से जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। उत्तरकाशी भूकंप के लिहाज से अतिसंवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। यह इलाका भूकंप जोन ढ्ढङ्क और ङ्क में आता है, जहां भूकंप की संभावना अधिक रहती है। आपदा कंट्रोल रूम को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा गया है, और क्षेत्र में लगातार नजर रखी जा रही है। आपदा प्रबंधन विभाग ने क्षेत्र के लोगों से सावधानी बरतने की अपील की है। अधिकारियों ने बताया कि किसी अप्रिय स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें। विशेषज्ञों ने भी लोगों को भूकंप के बाद झटकों (आफ्टरशॉक्स) को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है।

महाराष्ट्र को मिलेगा तीसरा उपमुख्यमंत्री, संजय राउत के बयान से सियासी हलचल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचाते हुए शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है कि राज्य में जल्द ही तीसरा उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया जाएगा। उनके अनुसार, यह नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना का कोई नेता होगा। संजय राउत ने कहा, महाराष्ट्र में अब दो नहीं, बल्कि तीन उपमुख्यमंत्री होंगे। नया डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की शिवसेना से चुना जाएगा। इस बयान के बाद राज्य की राजनीति में अटकलों का दौर शुरू हो गया है।

संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि ईडी और सीबीआई के डर से नेता भाजपा के साथ खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा, यह सरकार दबाव और डर की राजनीति के जरिए चल रही है, लेकिन इसका सच जल्द सामने आएगा।

- तीसरे डिप्टी सीएम को लेकर अटकलें तेज

महाराष्ट्र में फिलहाल एकनाथ शिंदे और अजित पवार उपमुख्यमंत्री पद पर हैं। तीसरे उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति के दावे ने राजनीति में नए समीकरण बनने की संभावनाओं को हवा दे दी है। शिवसेना के शिंदे गुट से किस नेता को यह पद मिलेगा, इसे लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। शिवसेना के उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुटों के बीच खींचतान जारी है। राउत के इस बयान को राजनीतिक दबाव और शिंदे गुट की स्थिति को लेकर भाजपा की रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

संजय राउत के इस दावे ने महाराष्ट्र की राजनीतिक फिजा में हलचल मचा दी है। विपक्ष और सत्ताधारी गठबंधन के बीच बयानबाजी तेज होने की संभावना है। अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि राज्य सरकार और भाजपा इस दावे पर क्या प्रतिक्रिया देती हैं।

लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का हिस्सा नहीं, शोर स्वास्थ्य के लिए खतरा

-बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा-नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

-एनटीए और सरकार ने अब तक आरोपियों को पहचानने के लिए क्या कदम उठाए

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर कहा कि लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। साथ ही, कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे ध्वनि प्रदूषण के मानदंडों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें। जस्टिस एएस गडकरी और जस्टिस एससी चांडक की पीठ ने कहा कि शोर-शराबा स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि अगर उसे लाउडस्पीकर के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई तो उसके अधिकार किसी भी तरह प्रभावित होंगे।

होईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को निर्देश दिया कि वह धार्मिक संस्थाओं को ध्वनि स्तर को नियंत्रित करने के लिए तंत्र अपनाने का निर्देश दें, जिसमें डेसिबल सीमा तय करने की ध्वनि प्रणालियां भी शामिल हों। होईकोर्ट ने यह फैसला कुर्ला उपनगर के 2 आवास संघों की ओर से दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि क्षेत्र की मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

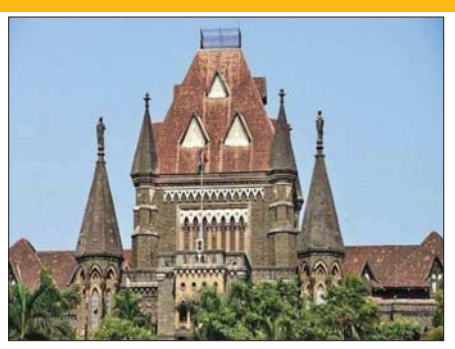

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि धार्मिक उद्देश्यों के लिए लाउडस्पीकर का इस्तेमाला शांति को भंग करता है। ध्वनि प्रदूषण नियम 2000 के साथ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के प्रावधानों का उल्लंघन है। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि मुंबई एक महानगर है और जाहिर है कि शहर के हर हिस्से में कई धर्मों के लोग रहते हैं। होईकोर्ट ने कहा कि यह जनहित में है कि ऐसी इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। ऐसी अनुमति देने से इनकार करने पर अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है।

होईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और अन्य प्राधिकारियों का यह कर्तव्य है कि वह कानून के प्रावधानों के तहत निर्धारित सभी आवश्यक उपाय अपनाकर कानून को लागू करें। कोर्ट ने कहा कि एक लोकतांत्रिक राज्य में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि कोई व्यक्ति/समूह/संगठन कहे कि वह देश के कानून का पालन नहीं करेगा और कानून लागू करने वाले अधिकारी मूकदर्शक बने रहेंगे। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को ध्वनि प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसे शिकायतकर्ताओं को निशाना बनाए जाने, दुर्भावना और घृणा से बचाया जा सके।

हाईकोर्ट ने मुंबई पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया कि वे सभी थानों को निर्देश जारी करें कि धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर के खिलाफ कोई भी शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई हो। पीठ ने कहा कि हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेते हैं कि आम तौर पर लोग तब तक किसी चीज के बारे में शिकायत नहीं करते जब तक कि वह असहनीय और परेशानी का कारण न बन जाए। कोर्ट ने आवासीय क्षेत्रों में परिवेशी ध्वनि का स्तर दिन में 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

महाकुंभ में लगी आग की खालिस्तान स मर्थक आतंकी संगठन केजेडएफ ने ली जिम्मेदारी, कहा-यह सिर्फ एक चेतावनी थी

प्रयागराज । यूपी के प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में बीते 19 ज वरी को लगी आग की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) ने ली है। जिसके बाद अब यूपी एटीएस और एनआईए अलर्ट हो गई है। अब ये एजेंसियां अग्निकांड में आतंकी नेक्शन तलाश रही हैं। आतंकवादी संगठन केजेडएफ ने ईमेल के जरिए बताया कि यह हादसा पीलीभीत में हुए एनकाउंटर का बदला था। इसके साथ ही, ईमेल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र किया गया है। विदित हो कि प्रयागराज महाकुंभ में 19 जनवरी शाम करीब 4 बजे सेक्टर 19 में आग लग गई थी। इस हादसे में 40 कुटिया और छह टेंट जल गए थे। महाकुंभ प्रशासन के मुताबिक गीता प्रेस ी रसोई में छोटे सिलेंडर से चाय बनाने के दौरान गैस लीक होने के कारण आग लगी। खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स ने कनाडा और पंजाब के पत्रकारों को ई-मेल भेजा है। इसमें लिखा है, ⚘खालिस्तानी जिंदा द फोर्स कुंभ मेले के दौरान हुए दोहरे विस्फोट की जिम्मेदारी लेता है। इस कृत्य का मुख्य उद्देश्य किसी को चोट पहुंचाना नहीं था। यह सिर्फ सीएम योगी के लिए एक चेतावनी थी कि हम आपके बहुत करीब है। यह ब्लास्ट पीलीभीत फर्जी मुठभेड़ में मारे गए तीन भाइयों की हत्या का बदला लेने के लिए किया है। यह तो बस शुरुआत है ।⚘ यह मेल फतेह सिंह नाम के युवक ने भेजा है।

अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह विवाद पर बिहार सरकार के मंत्री और विपक्ष आमने-सामने

पटना (एजेंसी)। मोकामा के पंचमहला थानांतर्गत नौरंगा जलालपुर गांव में पूर्व विधायक अनंत सिंह और सोनू-मोनू गिरोह के बीच 22 जनवरी को हुई फायरिंग मामले में अनंत सिंह ने सरेंडर किया है। पूर्व विधायक ने बाढ़ अनुमंडल न्यायालय में सरेंडर किया, जिसकी जानकारी लगते ही भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया। इसके पहले शुक्रवार सुबह मामले में सोनू-मोनू गैंग के सोनू और अनंत सिंह के एक समर्थक की गिरफ्तारी हुई थी। अनंत सिंह के सरेंडर के बाद अब मामले में डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी सहित कई अन्य नेताओं की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। वहीं, बाढ़ कोर्ट में सरेंडर करने के बाद पूर्व विधायक सिंह ने कहा कि वे कानून का पालन कर रहे हैं।

इस मामले पर डिप्टी सीएम सिन्हा ने कहा कि छोटी-मोटी घटनाओं पर सरकार की निगाहें बनी हुई हैं। क्राइम करने वाला बचेगा नहीं। ईमानदारी के साथ प्रशासन भी लगा हुआ है। सरकार पूरी सजगता के साथ कानून का राज स्थापित कर रही है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन अपना काम कर रहा है।

वहीं इस मामले में विरोधी नेता पप्पू यादव, पूर्णिया सांसद ने कहा कि पटना के पास दानापुर में बालू माफिया 200 गोलियां चलाता है, दूसरी ओर मोकामा में 100 गोलियां चलती हैं। दोनों शूटर मजे से इंटरव्यू दे रहे हैं और कैमरे पर एक-दूसरे को मारने की धमकी दे रहे हैं। प्रदेश में सरकार नाम की चीज नहीं है। हम सरकार से जानना चाहते हैं कि वे दोनों गोली चलाने वाले में से किसका समर्थन कर रही है और इन शूटरों को इतनी आजादी कैसे है कि वे खुलेआम एक-दूसरे की हत्या कर रहे हैं?...बिहार में अपराधी माफिया के बिना न सत्ता और ही विपक्ष चुनाव जीत सकता है।

वहीं राजद के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतिश सरकार पर हमला

करते हुए कहा कि बिहार में अचेत मुख्यमंत्र होने के कारण अपराध-आदत तथा भ्रष्टाचार शिष्टाचार में तब्दील हो चुका है। अब रू कंपकपाने वाली घटनाएं सामान्य हो गई है। क राउंड गोलियां चलाने वाले दोनों पक्ष केंद्रीय मंत्र के साथ खुलेआम घूमते है। मुख्यमंत्री स्व जेल से छुड़ाने के बाद उनके घर जाकर उनक स्वागत और अभिनंदन करते है। लेकिन अ कोई जंगलराज नहीं बोलेगा क्योंकि घटना म सम्मिलित सभी पक्ष सर्वश्रेष्ठ है।

कर्नाटक में मिला मंकीपॉक्स का मरीज, हालत स्थिर, डॉक्टर रख रहे पैनी नजर

-स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से की अपील, घबराएं नहीं अपना रखें ध्यान

मंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंगलुरु में मंकीपॉक्स का पहला केस दर्ज किया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा है कि उडुपी जिले के करकला तालुक में रहने वाले 40 वर्षीय मरीज की हालत स्थिर है उसे कोई गंभीर परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि 17 जनवरी को दुबई से आए इस मरीज को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वह घबराएं नहीं।

एक बयान में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के प्रधान सचिव और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के निदेशक अंसार अहमद ने लोगों को आश्वस्त किया कि यह बीमारी ज्यादातर मामलों में हल्की और सीमित है। उन्होंने कहा कि लोगों को घबराना नहीं

चाहिए, क्योंकि यह बीमारी मुख्य रूप से निकट या घनिष्ठ संपर्क से फैलती है और यह कोविड-19 जितनी संक्रामक भी नहीं है। इसके लक्षणों में आमतौर पर त्वचा पर चकत्ते, बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और ठंड लगना शामिल हैं।

अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले देशों की यात्रा करने वाले लोगों या पुष्टि वालों मामलों के निकट संपर्क में रहने वाले लोगों को इनमें से किसी भी तरह का लक्षण पाए जाने पर चिकित्सा सलाह लेने की सलाह दी है। मंकीपॉक्स का उपचार बुखार और शरीर के दर्द जैसे लक्षणों को कम करने पर केंद्रित है, साथ ही संक्रमित घावों से होने वाले द्वितीयक संक्रमणों के लिए एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल किया जाता है। पर्याप्त हाइड्रेशन, पोषण और विश्राम सुनिश्चित करना भी अहम है।

वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए केंद्र सरकार की ओर से अनिवार्य परीक्षण आवश्यकताएं या सलाह नहीं दी गई है। स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि मामले को प्रबंधित करने के लिए जरुरी उपाय करें।

साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्त प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की मदद से भवि य के महाकुंभ की एक दिलचस्प झलक सामने आ ई है। साल 2069 में होने वाले महाकुंभ का दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे देखक हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए हैं। महाकुंभ के आयोजन को लेकर सरकार ने हर संभव प्रयास कि ए हैं, जिसमें टेंट, टॉयलेट्स, पीने का पानी और अन्य सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। बावजूद सके, श्रद्धालु कुछ समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इन समस्याओं के बीच, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने एक अनोखी झलक पेश की, जिस में दिखाया गया है कि 2069 के महाकुंभ में लोग किस प्रकार की तकनीकी परिवर्तनों का सामना करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और चित्रों में इस भविष्य के महाकुंभ की कल्पना की गई है, जहां पारंपरिक साधू-बाबाओं की जगह रोबोटिक साधू नजर आएंगे। ये साधू अपनी हथेली से आरती की लौ जला सकेंगे। वहीं, आसमान में ग्रह-नक्षत्रों के संगम का दृश्य भी श्रद्धालुओं के लिए अलौकिक होगा। यह वीडियो न सिर्फ तकनीकी दृष्टिकोण से, बल्कि धार्मिक दृष्टिकोण से भी अनोखा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह वीडियो दिखाता है कि महाकुंभ का आयोजन भविष्य में कैसे पूरी तरह से टेक्नोलॉजी से सुसज्जित होगा।

लोग इस दृश्य को देखकर मंत्रमुग्ध हो गए हैं और इसे लाखों बार देखा जा चुका है। इसमें दिखाया गया है कि अगले 144 वर्षों में तकनीक कितनी विकसित हो जाएगी, जिससे महाकुंभ का अनुभव एक नई और अद्भुत दिशा में परिवर्तित हो जाएगा। इस महाकुंभ का हिस्सा बनने के लिए लोग अपनी अगली पीढ़ी को खुशकिस्मत मान रहे हैं, क्योंकि यह तकनीकी परिवर्तन न सिर्फ धार्मिक अनुभव को प्रभावित करेगा, बल्कि इसे एक नए आयाम पर भी ले जाएगा। वर्तमान में जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की शुरुआत हो चुकी है, भविष्य में यह तकनीक बेहद एडवांस हो जाएगी।

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इस की ये गुलसिताँ हमारा।
आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
बलिदानों का सपना जब सच हुआ, देश तभी आजाद हुआ, आज सलाम करे उन वीरों को, जिनकी शहादत से ये भारत गणतंत्र हुआ।
तबस्सुम नवाज़
डिप्टी एडिटर (पटना)
रोजनामा इंडो गल्फ हिन्दी दैनिक अख़बार
WWW.TECHINCAL PTS.COM

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।।
भारतीय संविधान की महानता, लोकतंत्र की अजेयता
एवं देश की एकता और अखंडता को समर्पित
गणतंत्र दिवस
की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामना
समस्त पूसा प्रखंड
वासियों को 76 वीं
गणतंत्र दिवस के अवसर
पर हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाएं।
निवेदिका :-
रविता तिवारी
प्रखंड प्रमुख पूसा (समस्तीपुर)
WWW.TECHINCAL PTS.COM

WWW.PNG LOOK.COM
समस्त देशवासियों को
26 JANUARY
गणतंत्र दिवस की
जिला वासियों
हार्दिक शुभकामनाएं
जो भरा नहीं है भावों से
जिसमें बहती रसधार नहीं।
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।
निवेदक :-
तनवीर आलम (सचिव)
मिथिला विकास सेवा आश्रम
मुजफ्फरपुर (बिहार)
WWW.PNG LOOK.COM

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा !
हम बुलबुलें हैं इस की ये गुलसिताँ हमारा !
आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
महासचिव
उलमा बोर्ड हिंद
जिला सीतामढ़ी
मौलाना तंजील हयाती
मज़ाहिरी
9631142335
WWW.TECHINCAL PTS.COM

आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
बलिदानों का सपना जब सच हुआ, देश तभी आजाद हुआ, आज सलाम करे उन वीरों को, जिनकी शहादत से ये भारत गणतंत्र हुआ।
सपन कुमार
बाजपट्टी थाना सीतामढ़ी
WWW.TECHINCAL PTS.COM

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा !
हम बुलबुलें हैं इस की ये गुलसिताँ हमारा !!
आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
INDIA
26 JANUARY
HAPPY
REPUBLIC DAY
महामंत्री
भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा
जिला सीतामढ़ी सह
महासचिव
ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम
महाज बिहार
मोहम्मद शमशाद अंसारी
9470245244
WWW.TECHINCAL PTS.COM

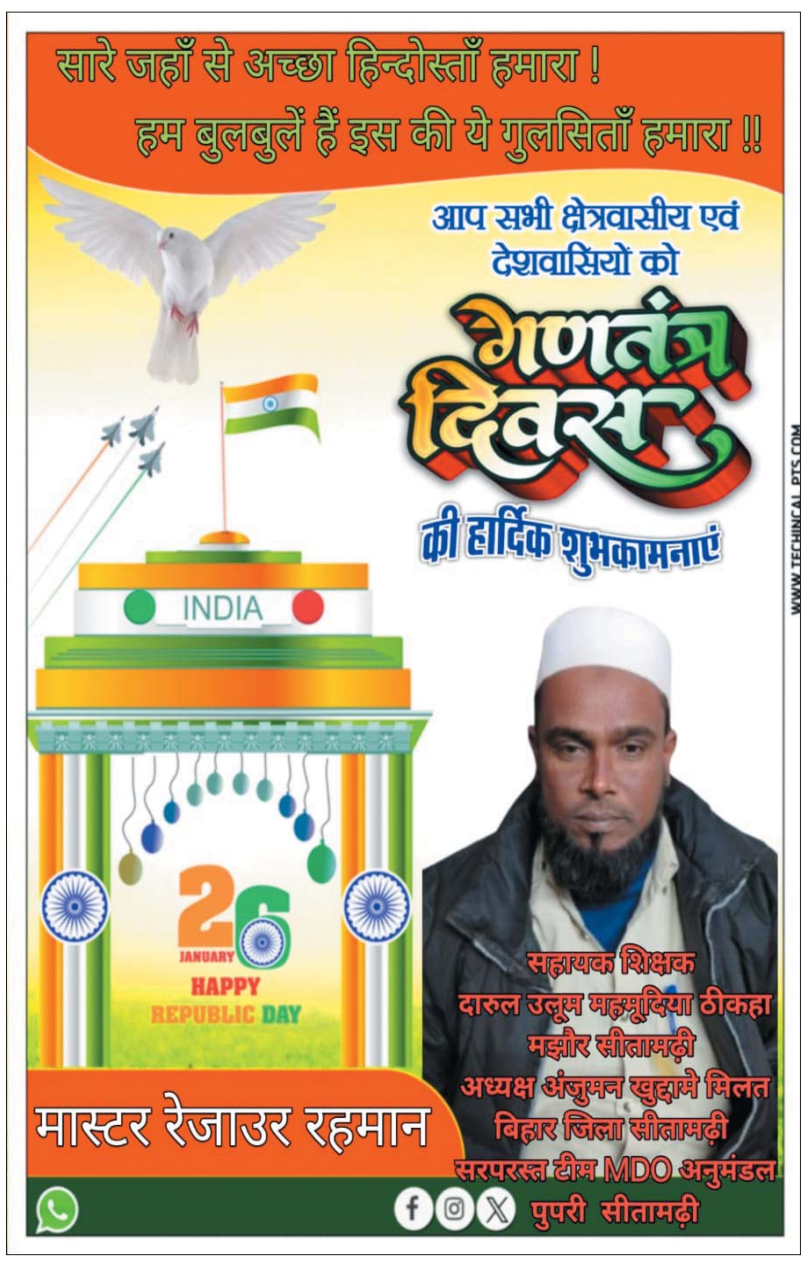
सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा !
हम बुलबुलें हैं इस की ये गुलसिताँ हमारा !!
आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
INDIA
26 JANUARY
HAPPY
REPUBLIC DAY
सहायक शिक्षक
दारुल उलूम महमूदिया ठीकहा
मझौर सीतामढ़ी
अध्यक्ष अंजुमन खुद्दामे मिलत
बिहार जिला सीतामढ़ी
सरपरस्त टीम MDO अनुमंडल
पुपरी सीतामढ़ी
मास्टर रेजाउर रहमान
WWW.TECHINCAL PTS.COM

समस्त देशवासियों को
भारतीय लोकतंत्र के महापर्व
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाये
सारे जहाँ से अच्छा
हिन्दोस्ताँ हमारा !
हम बुलबुलें हैं इस
की ये गुलसिताँ हमारा !
पूर्व प्रत्याशी बाजपट्टी
विधानसभा क्षेत्र एवं पूर्व
मुखिया हसनपुर बरहरवा
बाजपट्टी सीतामढी बिहार
मो. अशफाक
उर्फ चांद
9631309866
WWW.TECHINCAL PTS.COM

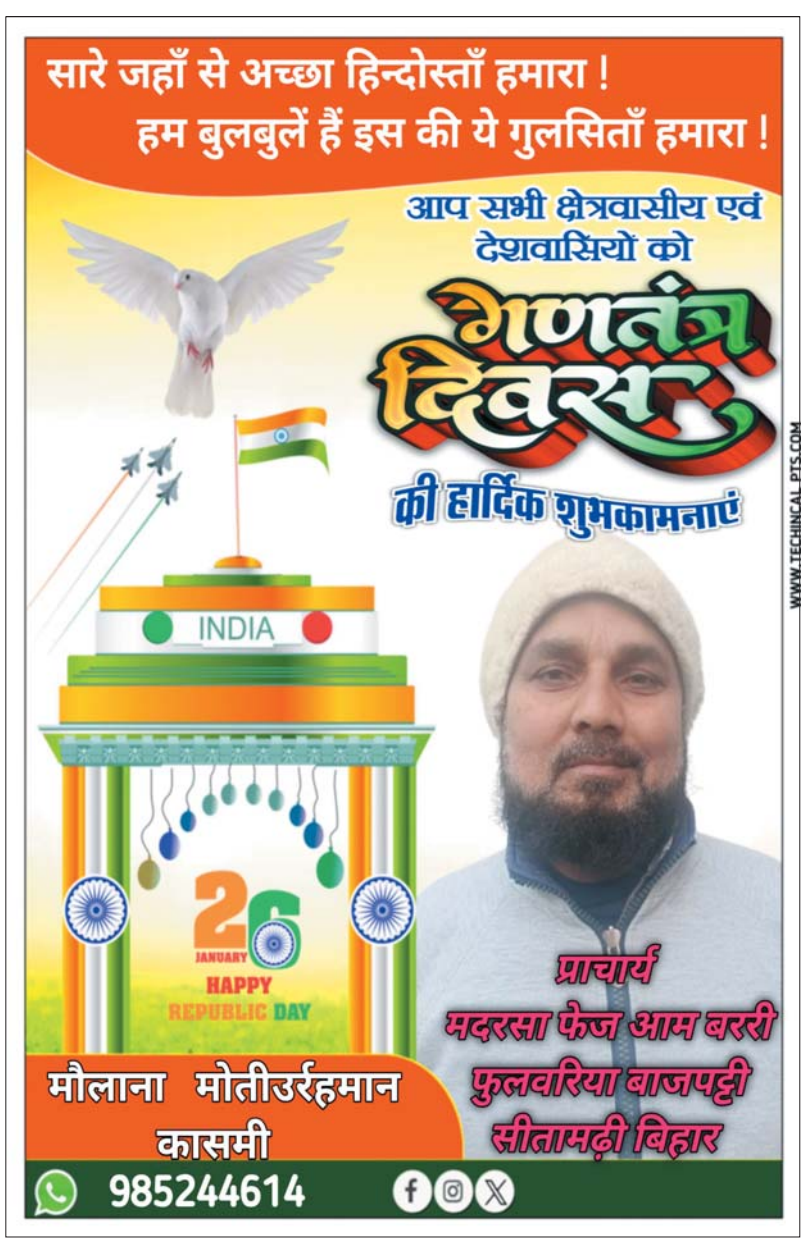
सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा !
हम बुलबुलें हैं इस की ये गुलसिताँ हमारा !
आप सभी क्षेत्रवासीय एवं
देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
INDIA
26 JANUARY
HAPPY
REPUBLIC DAY
प्राचार्य
मदरसा फेज आम बररी
फुलवरिया बाजपट्टी
सीतामढ़ी बिहार
मौलाना मोतीउर्रहमान
कासमी
985244614
WWW.TECHINCAL PTS.COM